



शाला ध्वनि  
KVS NEWS



# Yoga for Humanity



*Sidy*

KV Joshimath at Auli, Uttarakhand

# शाला ध्वनि

विशेषांक



तत् त्वं पूषन् अपावृणु  
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय संगठन (मु.), नई दिल्ली  
Kendriya Vidyalaya Sangathan (HQ), New Delhi

© Kendriya Vidyalaya Sangathan

Shaaladhvani Newsletter

Special Issue on 8th International Day for Yoga

e-Book

---

Patron: Nidhi Pandey, Commissioner, KVS (HQ)

Editor: N.R. Murali, Joint Commissioner (Trg), KVS (HQ)

Editorial In-charge: Sachin Rathore, Assistant Editor, KVS (HQ)

Designed by: 3P Outlines ([www.3poutlines.com](http://www.3poutlines.com))

---

Published by Ajeeta Longjam, Joint Commissioner (Admin-1) on behalf of Kendriya Vidyalaya Sangathan

---

Readers can send their comments and suggestions through e-mail at: [shaaladhvani@gmail.com](mailto:shaaladhvani@gmail.com)

---

# INDEX

01.	Yoga Day in Gurugram Region	02
02.	Yoga Day in Chennai Region	04
03.	Yoga Day in Kolkata Region	07
04.	Yoga Day in Bhopal Region	10
05.	Yoga Day in Agra Region	14
06.	Yoga Day in Ahmedabad Region	16
07.	Yoga Day in Ernakulam Region	19
08.	Yoga Day in Guwahati Region	22
09.	Yoga Day in Bangalore Region	25
10.	Yoga Day in Bhubaneshwar Region	28
11.	Yoga Day in Hyderabad Region	31
12.	Yoga Day in Jabalpur Region	34
13.	Yoga Day in Jaipur Region	38
14.	Yoga Day in Jammu Region	40
15.	Yoga Day in Lucknow Region	43
16.	Yoga Day in Mumbai Region	46
17.	Yoga Day in Patna Region	49
18.	Yoga Day in Varanasi Region	52
19.	Yoga Day in Tinsukia Region	55
20.	Yoga Day in Silchar Region	57
21.	Yoga Day in Ranchi Region	59
22.	Yoga Day in Raipur Region	62
23.	Yoga Day in Delhi Region	65
24.	Yoga Day in Dehradun Region	67
25.	Yoga Day in Chandigarh Region	69
26.	Yoga Day in KVs Abroad	71
27.	Yoga Day in KVS (HQ)	74



## 8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

### संदेश

शाला ध्वनि का 'योग दिवस विशेषांक' पाठकों के हाथ में सौंपते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह विशेषांक 8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के महा आयोजन में केन्द्रीय विद्यालय संगठन के समस्त 25 संभागों द्वारा किये गये अतुलित प्रयासों का सुंदर संकलन है।

8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए 'मानवता के लिए योग' थीम रखी गई। जब सकल विश्व कोरोना महामारी और हिंसा व युद्ध के प्रकोप से ग्रस्त है, तब मानवता के लिए योग दिवस मनाना संपूर्ण मानव जाति को एक सशक्त संदेश देता है। योग में इतनी शक्ति है, जिससे मनुष्य के अंदर विलक्षण मानवीय गुणों का विकास हो सकता है। योगिक जीवन शैली वाला व्यक्तित्व सदैव मानवता का रक्षक बनकर उभरा है।

आज केवल भारत ही नहीं अपितु पूरा विश्व योग के महत्व को समझ रहा है और उसको अपना रहा है। कभी कुछ लोगों तक सीमित रह गई यह कला आज गांव-गांव और गली-गली में प्रचलित हो गई है। गंभीर बीमारियों में योग लाभदायक सिद्ध हुआ है। मानसिक विकास और अंतःकरण की शांति के लिए भी योग बेहद सहायक है। यह हमारे लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि जिस योग पथ पर आज पूरा विश्व चल रहा है, उस योग विद्या का उदय भारत की पवित्र भूमि पर हुआ।

आज़ादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर जब देश में स्वतंत्रता प्राप्ति की 75वीं वर्षगांठ का हर्षोल्लास है, तब 8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर देश के 75 प्रतिष्ठित स्थानों पर पहुंचकर योगाभ्यास करना अपने आप में एक अनूठा प्रयास रहा। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों और उनके शिक्षकों व समस्त अधिकारियों ने इस प्रयास में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

कश्मीर की बेताब घाटी से लेकर तंजौर के बृहदीश्वर मंदिर तक, गुजरात के प्राग महल से लेकर अरुणाचल के ईटा फोर्ट तक, कोणार्क के सूर्य मंदिर से लेकर महाराष्ट्र स्थित एलोरा की गुफाओं तक और पश्चिम बंगाल के बेलूर मठ से लेकर मध्य प्रदेश के चौसठ योगिनी मंदिर तक, केन्द्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने देश के हर कोने में अपनी योगमय उपस्थिति दर्ज कराई। स्वयं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने केन्द्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध कांगड़ा किले में योगाभ्यास किया।

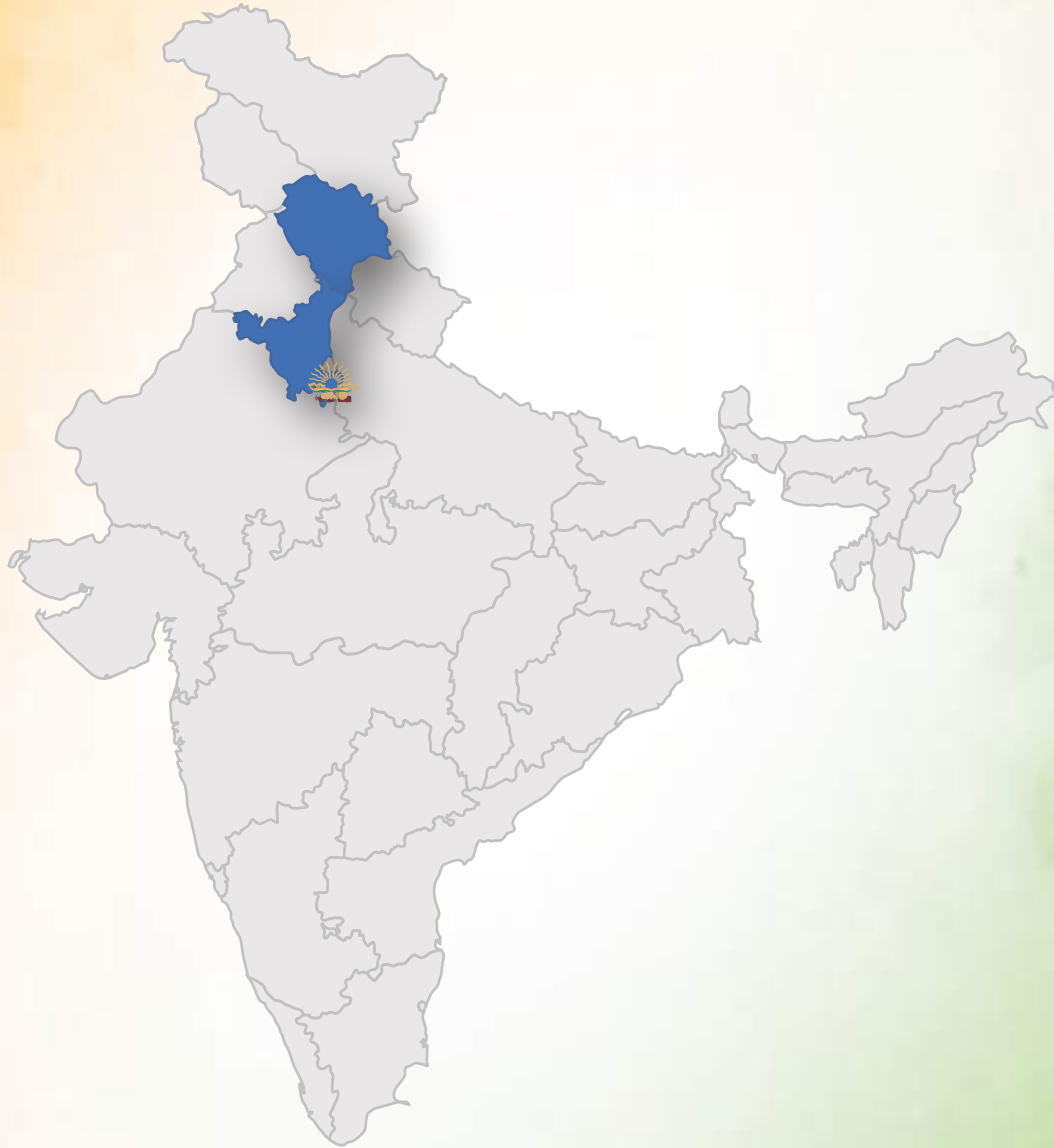
8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के खूबसूरत और भव्य आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए मैं केन्द्रीय विद्यालय संगठन के सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और अधिकारियों को हार्दिक बधाई प्रेषित करती हूं। साथ ही, 'शाला ध्वनि' का यह विशेषांक प्रकाशित करने के लिए संपादक मंडल को अनेक शुभकामनाएं।

(निधि पाण्डे)  
आयुक्त

**Yoga for Humanity**



**गुरुग्राम संभाग  
Gurugram Region**



**8th International Day of Yoga**

**21 June 2022**



## कांगड़ा फोर्ट: के.वि. योल कैंट के विद्यार्थियों ने माननीय शिक्षा मंत्री के साथ किया योग

केन्द्रीय विद्यालय योल कैंट के विद्यार्थियों ने देश के मा. शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान के साथ ऐतिहासिक कांगड़ा फोर्ट में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। अपने संबोधन में केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने जीवन में योग के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए योग को जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया।

### कांगड़ा किले के बारे में

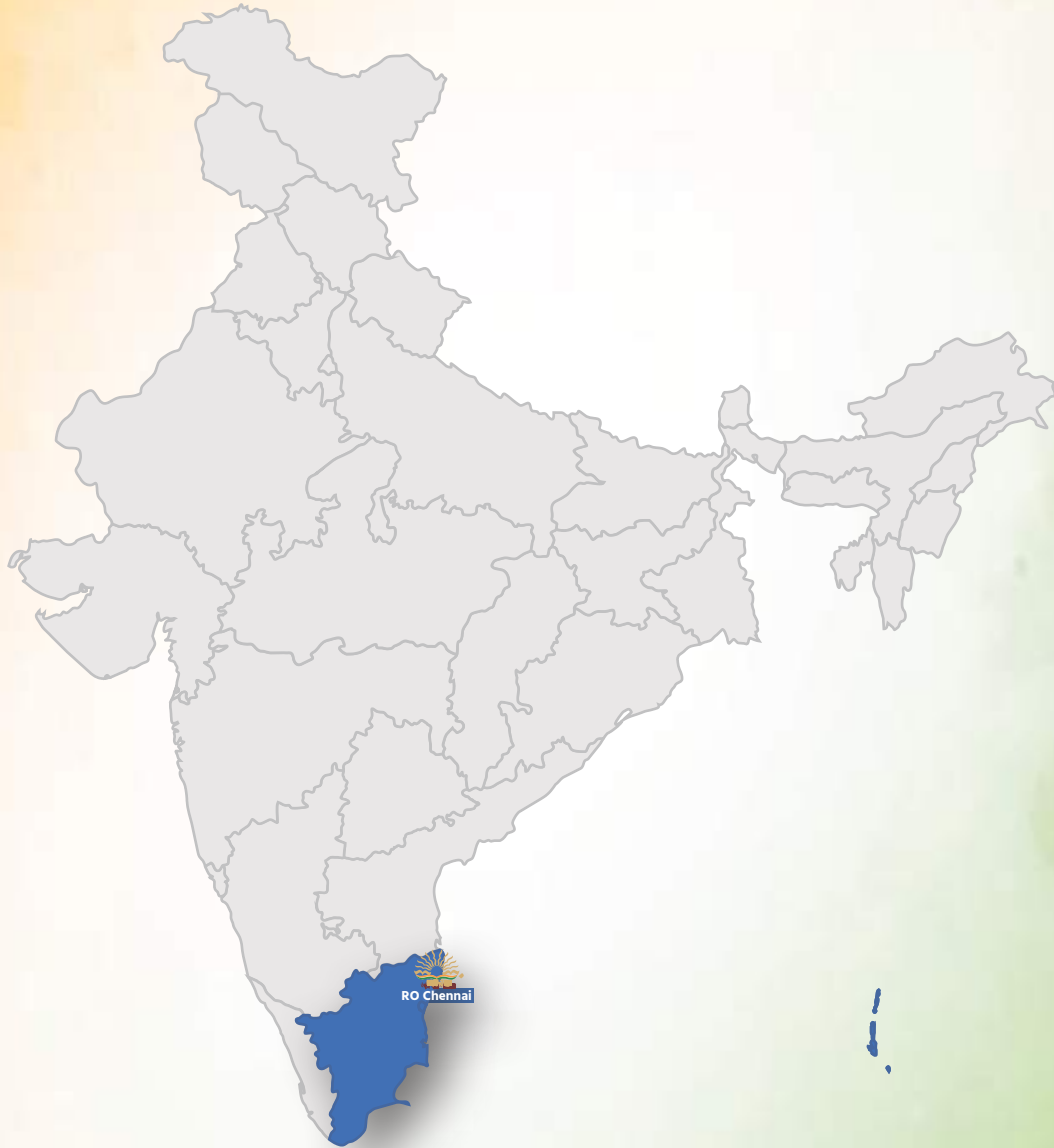
यह किला हिमाचल प्रदेश में कांगड़ा शहर के बाहरी इलाके में धर्मशाला से 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। कांगड़ा किले का निर्माण कांगड़ा राज्य (कटोच वंश) के राजपूत परिवार ने करवाया था, जिन्होंने खुद को प्राचीन त्रिगत साम्राज्य, जिसका उल्लेख महाभारत, पुराण में किया गया है के वंशज होने का प्रमाण दिया था। ये हिमाचल में मौजूद किलों में सबसे विशाल और भारत में पाये जाने वाले किलों में सबसे पुराना किला है। हिमाचल प्रदेश का यह किला अपने शासकों की भव्यता व समृद्धि और कई आक्रमणों का साक्षी है। यह माँझी और बाणगंगा नदियों के बीच धौलाधर पर्वत श्रृंखला की गोद में एक चट्टान पर खड़ा है। चूँकि यह किला आक्रमणकारियों और प्रकृति के कहर से गुजरा है, इसलिए वर्तमान में यह अपने मूल रूप में मौजूद नहीं है। इसका तह-दर-तह इतिहास, इसकी राजनीतिक विरासत, सामरिक स्थिति और वास्तुकला, प्राचीन भारत के गौरव की एक झलक प्रदान करते हैं।





## Yoga for Humanity

### चेन्नई संभाग Chennai Region



**8th International Day of Yoga**  
**21 June 2022**



## KV No. 1 Kalpakkam celebrates Yoga Day at Mamallapuram

The Iconic town of Mamallapuram is located close to Kalpakkam, 18 km away from KV Kalpakkam on the Chennai- Puducherry East coast road (state scenic Highway of tourist interest). Mamallapuram is known all over the world as a UNESCO world heritage site. In fact, this was the location chosen by the Government of India for the historic Indo – China talks for mutual understanding and collaboration recently. Historically Mamallapuram was a thriving port city of the Pallava Empire. Globalization had happened there a long time back. All the impressive historic monuments with motifs from the Hindu faith are said to have been built during the 7th and the 8th centuries. The monument found in Mamallapuram are the Rathas, Mandapas, the Descend of the Ganges and the Shore temple Mamallapuram has been known to Mariners since the time of Marco Polo. Mamallapuram was the hub of active Global trade. Many visitors from all over the World. Mamallapuram was the most important past city in the Pallava Kingdom. Monolithic sculpture is the significant feature of Mamallapuram’s Art work.





## **KV No. 1 Puducherry celebrates Yoga Day at Auroville**

Puducherry is popular for its beaches and pretty French colonies. Not far away from Puducherry is the experimental community of Auroville. People from all over the world live here in harmony. This township thus is a perfect example of human unity. The concept of Auroville was well supported by the Indian Government as well as UNESCO. Auroville is also known as the City of Dawn. The 100+ year Banyan Tree in a way was responsible for the geographical location of Auroville. 5000 people from 124 countries attended the inauguration and deposited soil from their homeland to an urn. Auroville built to house 50,000 people from all over the world, now has a population of only 2500 people. Auroville's plan mainly constitutes of 3 areas: a Peace Area, City Zones and Green Belt.

## **KVians celebrate Yoga Day at Lord Brahadeeshvar Temple Campus**

The 8th International Day of Yoga was celebrated at Lord Brahadeeshvar Temple Campus (popularly known as Big Temple), Thanjavur on the 21st of June 2022. This Thanjavur Temple is more than 1050 years old constructed by the Chola Emperor Raja Raja Cholan in the bank of river Cauvery. The Temple is one of UNESCO World Heritage Sites. Hon'ble Minister of State for Education Smt. Annapurna Devi also participated in the event along with the Students and Teachers of KV AFS Thanjavur and KV CUTN Thiruvarur.



**Yoga for Humanity**



**कोलकाता संभाग  
Kolkata Region**



**8th International Day of Yoga  
21 June 2022**



## कोलकाता संभाग ने बेलूर मठ और नेशनल लाइब्रेरी में मनाया योग दिवस

केन्द्रीय विद्यालय संगठन कोलकाता संभाग के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक महानगर कोलकाता के ऐतिहासिक स्थलों नेशनल लाइब्रेरी और बेलूर मठ में 8वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। बेलूर मठ में योग दिवस का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष सरकार की उपस्थिति में हुआ। केन्द्रीय विद्यालय संगठन कोलकाता संभाग के तीन केन्द्रीय विद्यालयों क्रमशः केन्द्रीय विद्यालय कमान अस्पताल, केन्द्रीय विद्यालय बैरकपुर आर्मी, केन्द्रीय विद्यालय बामनगाछी के विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षकों ने योग के विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

बेलूर मठ रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन का मुख्यालय है, जिसकी स्थापना रामकृष्ण परमहंस के प्रमुख शिष्य और प्रख्यात संत स्वामी विवेकानंद ने की थी। यह हुगली नदी, बेलूर, पश्चिम बंगाल के पश्चिमी तट पर स्थित है और कोलकाता के महत्वपूर्ण संस्थानों में से एक है। यह अपनी वास्तुकला के लिए उल्लेखनीय है जो हिंदू, इस्लामी, बौद्ध और ईसाई कला और रुपांकनों को सभी धर्मों की एकता के प्रतीक के रूप में जोड़ता है।



## नेशनल लाइब्रेरी:

में स्थित एक पुस्तकालय है। यह संख्या और सार्वजनिक रिकॉर्ड के अनुसार भारत का सबसे बड़ा पुस्तकालय है। नेशनल लाइब्रेरी संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन है। पुस्तकालय को भारत के भीतर उत्पादित मुद्रित सामग्री को एकत्र करने, प्रसारित करने और संरक्षित करने के लिए नामित किया गया है। 22 लाख से अधिक पुस्तकों और अभिलेखों के संग्रह के साथ, यह देश में सबसे बड़ा पुस्तकालय है। आजादी से पहले, यह स्थान भारत के गवर्नर-जनरल का आधिकारिक निवास था।





## Yoga for Humanity

### भोपाल संभाग Bhopal Region



**8th International Day of Yoga**

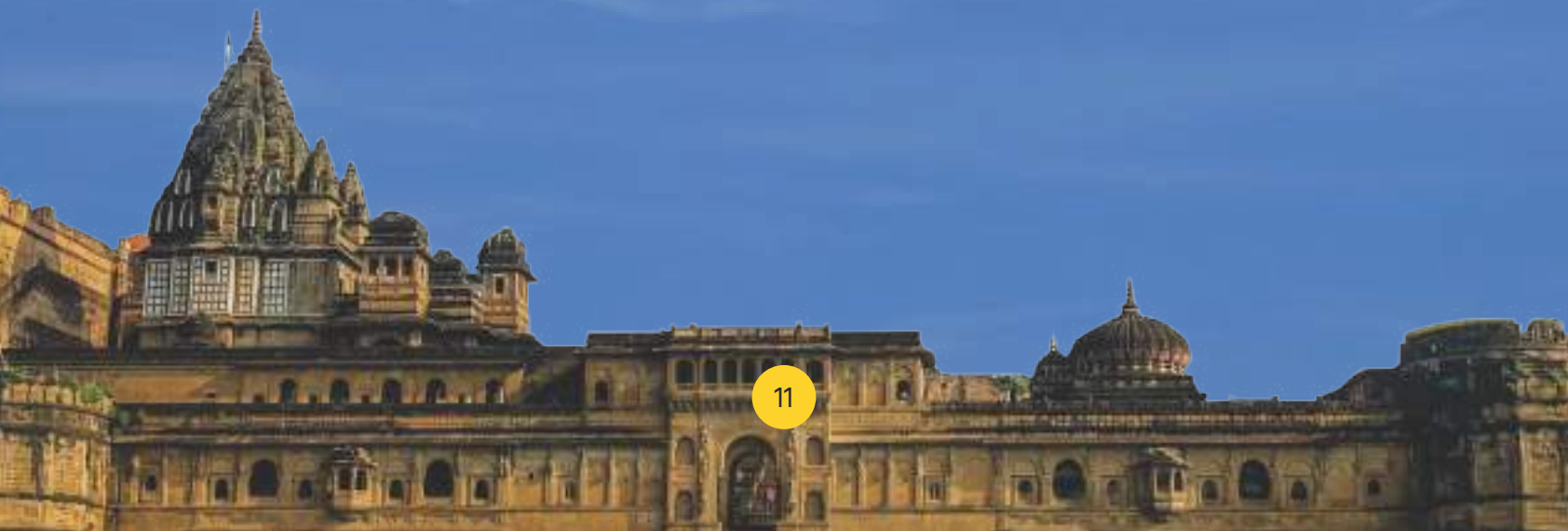
**21 June 2022**

## केन्द्रीय विद्यालय कसरावद के बच्चों ने महेश्वर के किले में मानवता के लिए योग

केन्द्रीय विद्यालय कसरावद के छात्र-छात्राओं ने मां अहिल्याबाई की ऐतिहासिक नगरी महेश्वर के किले के बाहरी प्रांगण और मां नर्मदा के घाट पर 8वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योग का प्रदर्शन किया। 50 छात्र-छात्राओं एवं 20 स्टाफ सदस्यों ने योग के विभिन्न आसन यथा- सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, पादहस्तासन, त्रिकोणासन, उष्ट्रासन एवं प्राणायाम प्रवीणता के साथ किये।

### महेश्वर के बारे में

महेश्वर भारत के मध्यप्रदेश राज्य के खरगोन जिले में स्थित एक कस्बा है। यह स्टेट हाइवे 38 पर, नेशनल हाइवे 3 से 13.5 कि.मी. की दूरी पर पूर्व में एवं इंदौर से 91 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। यहाँ जिले का तहसील मुख्यालय भी है। यह कस्बा नर्मदा नदी के उत्तर तट पर स्थित है। यह कस्बा सम्राट सहस्र अर्जुन की राजधानी भी रहा है। बाद में यह सन् 1818 तक मराठा होलकर काल में मालवा की भी राजधानी रहा, बाद में मल्हार राव होल्कर तृतीय द्वारा राजधानी इंदौर में स्थानांतरित की गयी। यह देवी अहिल्याबाई के समय में भी होलकरों की राजधानी रहा है। नर्मदा जी के किनारे बसा यह शहर सुंदर और मनमोहक घाटों एवं माहेश्वरी साड़ियों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ घाट पर विविध कलाकृति वाले मंदिर स्थित हैं।





## के.वि. विदिशा के विद्यार्थियों ने किया सांची स्तूप के प्रांगण में योग

केन्द्रीय विद्यालय विदिशा के 50 विद्यार्थी एवं 6 शिक्षकों ने साँची स्तूप पर योग का प्रदर्शन किया। केन्द्रीय विद्यालय विदिशा के विद्यार्थियों ने 5000 अन्य योगार्थियों के साथ योग का अनुष्ठा प्रदर्शन किया।

## ऐतिहासिक साँची स्तूप के बारे में जानकारी

साँची भारत के मध्य प्रदेश राज्य के रायसेन ज़िले में साँची नगर के पास एक पहाड़ी पर स्थित एक छोटा सा गांव है। यह बेतवा नदी के किनारे, भोपाल से 46 कि॰मी॰ पूर्वोत्तर में, तथा बेसनगर और विदिशा से 10 कि॰मी॰ की दूरी पर मध्य प्रदेश के मध्य भाग में स्थित है। यहाँ कई बौद्ध स्मारक हैं, जो तीसरी शताब्दी ई.पू. से बारहवीं शताब्दी के बीच काल के हैं। साँची रायसेन जिले की एक नगर पंचायत है। रायसेन जिले में एक अन्य विश्व दाय स्थल, भीमबेटका भी है। यहाँ छोटे-बड़े अनेक स्तूप हैं, जिनमें स्तूप संख्या 2 सबसे बड़ा है। चारों ओर की हरियाली अद्भुत है। इस स्तूप को घेरे हुए कई तोरण भी बने हैं। स्तूप संख्या 1 के पास कई लघु स्तूप भी हैं, उन्ही के समीप एक गुप्त कालीन पाषाण स्तंभ है। यह प्रेम, शांति, विश्वास और साहस के प्रतीक हैं। साँची का महान मुख्य स्तूप, मूलतः सम्राट अशोक महान ने तीसरी शती, ई.पू. में बनवाया था। बाद में इस साँची के स्तूप को सम्राट अग्निमित्र शुंग ने जीर्णोद्धार करके और बड़ा व विशाल बना दिया। इसके केन्द्र में एक अर्धगोलाकार ईंट निर्मित ढांचा था, जिसमें भगवान बुद्ध के कुछ अवशेष रखे थे। इसके शिखर पर स्मारक को दिये गये ऊंचे सम्मान का प्रतीक रूपी एक छत्र था।





## Students of KV No. 3 Bhopal perform Yoga Asans at Bhojeshwar Temple

KV No. 3 Bhopal organized a Yoga Programme at Bhojeshwar Temple on the occasion of 8th International Day of Yoga.

### About Bhojeshwar Temple-

Bhojeshwar Temple was built in a village named Bhojpur, located about 30 km from Bhopal, the capital of Madhya Pradesh. It is also called Bhojpur temple. This temple is situated on a hillock in the middle of Vindhya ranges on the banks of river Betwa. The construction of the temple and the establishment of its Shivling was done by the famous Parmar king Bhoj (1010 - 1053 AD) of Dhar. It is also called Bhojpur temple or Bhojeshwar temple after his name, although according to some legends the original temple of this site is believed to have been established by the Pandavas. The inscriptions here give knowledge of the architecture of the Hindu temple construction of the 11th century and it is known that the use of the dome had been in India even before the arrival of Islam. The grand work plan of this incomplete temple has been engraved on the nearby stone rocks. According to these map diagrams, there was a plan to build a large temple complex here, in which many other temples were also to be built. If completed successfully, this temple complex would have been one of the largest temple complexes in India. The temple complex has been marked as a monument of national importance by the Archaeological Survey of India and a successful effort has been made to restore it by doing its restoration work. According to the inscription of the Archaeological Department outside the temple, the Shivling of this temple is the tallest and largest Shivling among the temples of India. The entrance of this temple is also the largest among the doors of any Hindu building. Every year Bhojpur festival is organized here by the state government on the occasion of Shivratri.





## Yoga for Humanity

### आगरा संभाग Agra Region

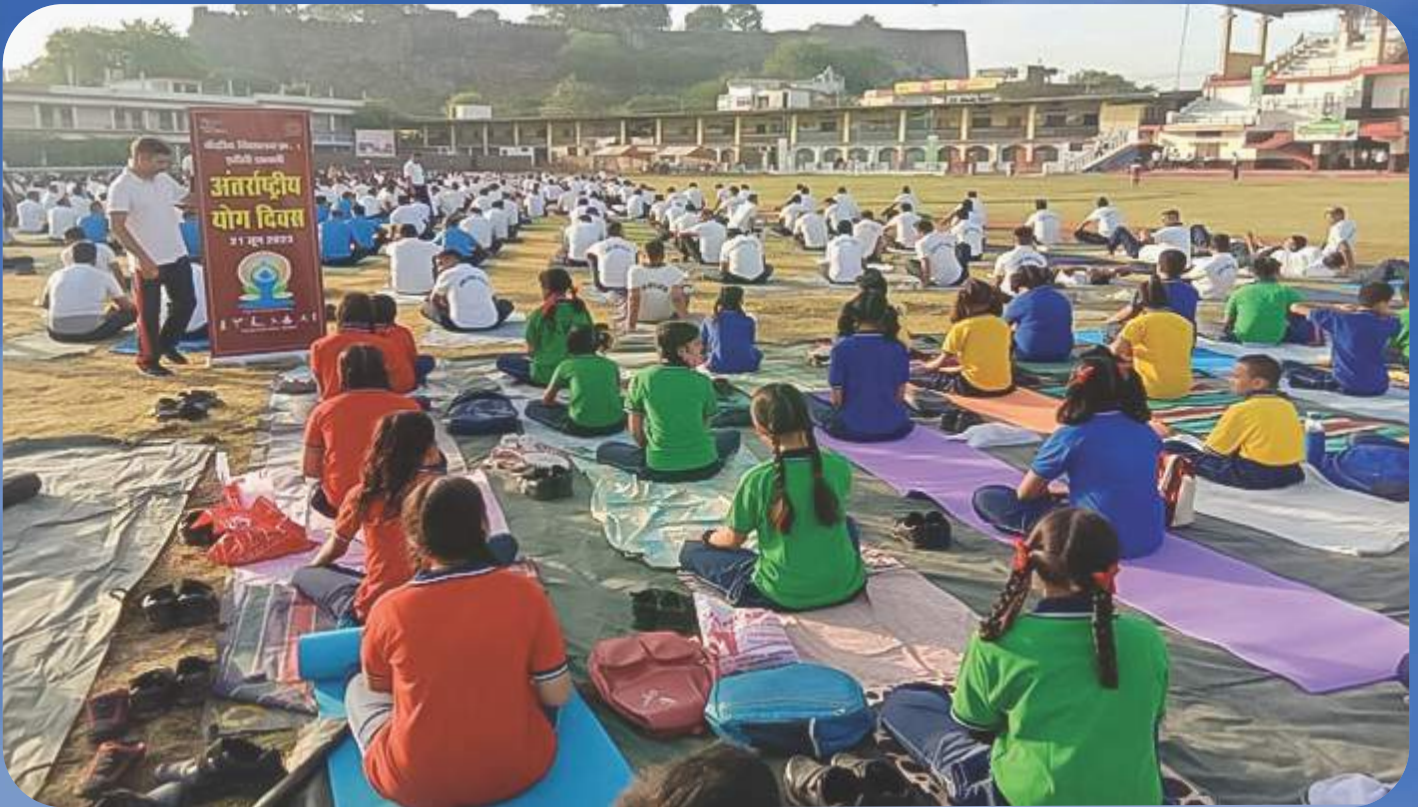


**8th International Day of Yoga**

**21 June 2022**

## केन्द्रीय विद्यालय क्र. 1 झाँसी कैंट ने किया झाँसी किले पर योग

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1 झाँसी छावनी के विद्यार्थियों ने झाँसी के किले पर आयोजित विशेष योग कार्यक्रम में भाग लिया। विद्यालय के 156 विद्यार्थियों व 5 शिक्षकों ने इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। झाँसी का किला उत्तर प्रदेश में झाँसी जिले के बंगरा नामक पहाड़ी पर स्थित है। इसका निर्माण 1613 ई. में ओरछा के राजा वीर सिंह जूदेव ने करवाया था। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में रानी लक्ष्मीबाई के शौर्य, पराक्रम और अपनी वीरता तथा युद्ध कौशल से इस किले को अत्यंत महत्वपूर्ण व प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल का सम्मान प्राप्त हुआ।





**Yoga for Humanity**

**अहमदाबाद संभाग  
Ahmedabad Region**



**8th International Day of Yoga**

**21 June 2022**

## केन्द्रीय विद्यालय क्र. 2, भुज ने 'प्राग महल' में मनाया योग दिवस

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2 भुज द्वारा 21 जून 2022 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन के ऐतिहासिक स्थल 'प्राग महल' में आयोजित किया गया। प्राग महल का नाम राव प्रगमलजी द्वितीय के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने इसका निर्माण करवाया। इस महल का निर्माण वर्ष 1865 में शुरू हुआ था। इसका डिजाइन कर्नल हेनरी सेंट क्लेयर विल्किंस द्वारा तैयार किया गया था, जिसे स्थानीय पर्यटन कार्यालय इतालवी गॉथिक शैली के रूप में वर्णित करता है, इसके निर्माण में कई इतालवी कारीगर शामिल थे। महल के कारीगरों की मजदूरी का भुगतान सोने के सिक्कों में किया जाता था। महल का निर्माण 1879 में प्रागमलजी द्वितीय की मृत्यु के बाद में खेंगरजी तृतीय (प्रागमलजी द्वितीय के पुत्र) के शासन के दौरान पूरा हुआ था। महल की लागत अंशतः 31 लाख रुपये थी। स्थानीय कच्ची बिल्डर समुदाय (कच्छ के मिस्त्री) भी कर्नल विल्किंस के साथ प्राग महल के निर्माण में शामिल थे।

### उल्लेखनीय विशेषताएं-

- महल राजस्थान के इतालवी संगमरमर और बलुआ पत्थर से बना है
- मुख्य हॉल, टैक्सिडर्मी से भरा हुआ
- दरबार हॉल, जिसमें टूटे हुए झूमर और शास्त्रीय मूर्तियां विद्यमान हैं
- कोरिंथियन स्तंभ
- यूरोपीय पौधों और जानवरों को दर्शाने वाली जाली कारीगरी
- घड़ी के साथ 45 फुट ऊंचा टावर, जहां से पूरा भुज शहर नजर आता है
- महल के पीछे प्रांगण में एक छोटा सा मंदिर है, जिस पर पत्थर की नक्काशी की गई है





## KV No. 2 EME Baroda celebrates International Yoga Day at Baroda Museum

A team of 40 students and three teachers visited Baroda museum to perform Yoga on 21st June 2022. The Baroda Museum & Picture Gallery in Vadodara was built in 1894 on the lines of the Victoria & Albert Museum and the Science Museum of London. Major Mant in association with R.F. Chisholm who refined some of Mant's finest works to make genuine Indo-Saracenic architecture designed the Building of this Museum. Maharaja Sayajirao Gaekwad III belonging to the Gaekwad dynasty of the Marathas founded the museum in 1887. The museum building was completed in 1894, when it opened to the public. Construction of the art gallery commenced in 1908, was completed in 1914, but did not open until 1921 as the First World War delayed transfer of pieces from Europe intended for the gallery. It preserves a rich collection of art, sculpture, ethnography and ethnology. The picture gallery offers a collection of originals by famous British Painters J.M.W. Turner and John Constable and many others. The Egyptian mummy and skeleton of a baby blue whale are major attractions for those who visit the museum. Other treasure includes the famous Akota bronzes dating to the fifth century AD, a collection of Mughal miniatures, a full-fledged gallery of Tibetan Art and oils by several European masters.



**Yoga for Humanity**



**एर्णाकुलम संभाग  
Ernakulam Region**



**8th International Day of Yoga  
21 June 2022**



## International Yoga Day at Bekal Fort Kasaragod

Kendriya Vidyalayas of Kasaragod cluster (KV No. 1 CPCRI KASARAGOD, KV No. 2 KASARAGOD, KV KANHANGAD, KV NILESHWAR) and archaeological Survey of India Thrissur Circle jointly organised International Yoga Day at one of the iconic places in India, Bekal Fort. The Iconic place Bekal Fort is a medieval fort built by Shivappa Nayaka of Keladi in 1650 AD, at Bekal, Kasaragod District. It is the largest fort in Kerala, spreading over 40 acres. The fort appears to emerge from the sea. Almost three-quarters of its exterior is in contact with water.

## 8th IDY 2022 Celebrations at famous Durbar Hall Ground

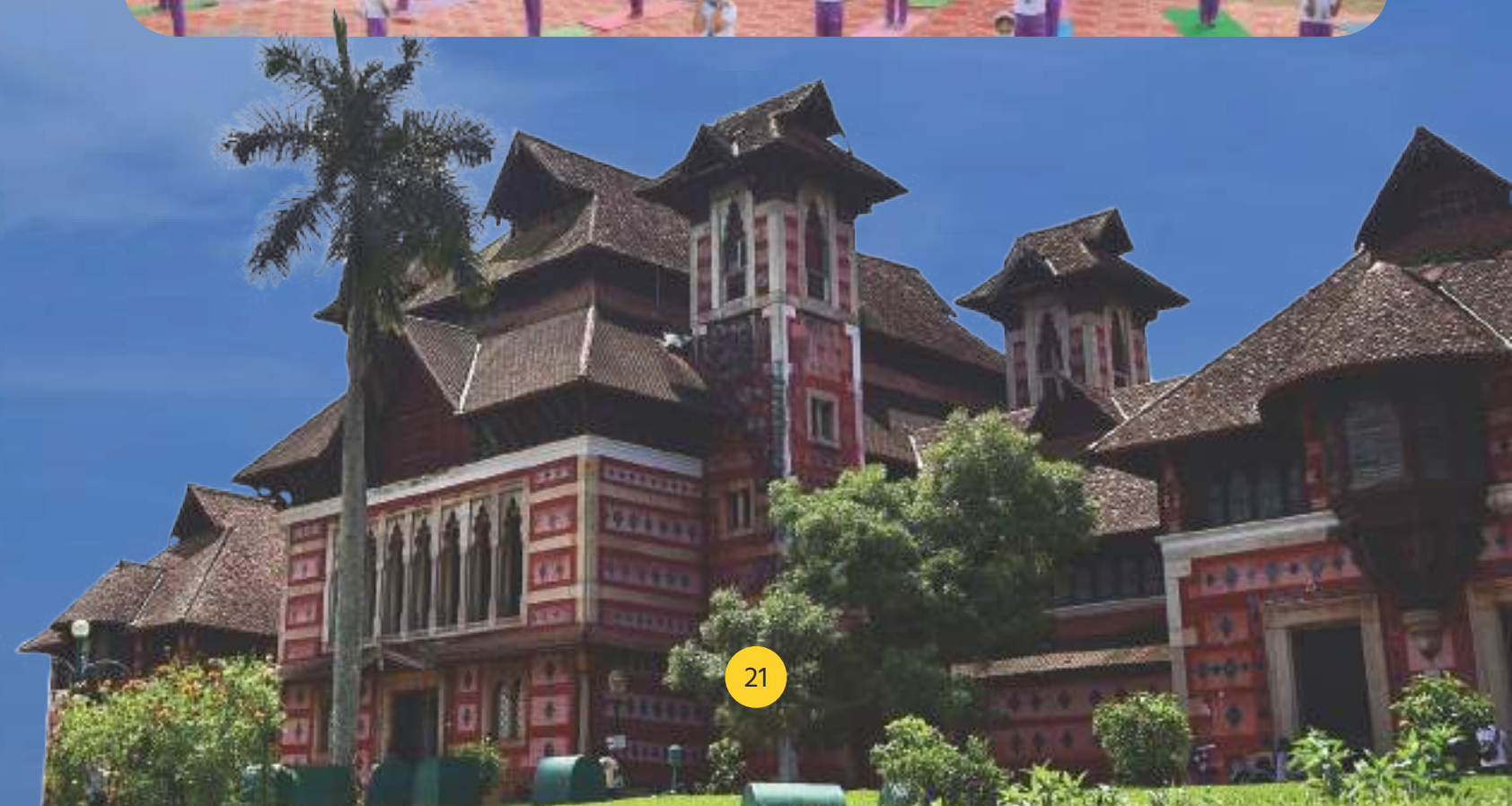
Students of KV No.1 Naval Base Kochi, KV No. 2 Naval Base Kochi, KV Port Trust, KV INS Dronacharya, KV Ernakulam and KV NAD, Aluva celebrated Yoga Day at famous Durbar Hall of Kochi. 225 students from 6 KVs, 32 teachers and 24 parents attended the Yoga Display at Durbar Hall Ground. The Durbar Hall Ground is a popular location for various cultural activities in the city of Kochi, Kerala India. The Durbar Hall Ground witnessed great moments in the history of Kochi. The ground once owned by the Maharajah of Cochin, was the venue for some glittering events. It was here that the Maharajah held his durbar some of the significant proclamations, like the administrative reforms of 4 January 1938, the new constitution of the Cochin State of 17 June 1938, and the formation of the Cochin State Central War Committee on 28 June 1940, were all made at this very ground.





## International yoga day at Napier Museum, Trivandrum

The Mass display of Trivandrum Cluster Schools, in connection with the International Day of Yoga 2022 was held at Napier Museum, Thiruvananthapuram. In the heart of Thiruvananthapuram city lies the Great Napier Museum which is situated in the Museum compound, close to the Zoological Park. Built in the 19th century, it has its own natural air conditioning system. It contains a host of historical artefacts including bronze idols, ancient ornaments, a temple chariot and ivory carvings. Kerala's rich cultural heritage is in full display here. The museum was named after the former Madras Governor General, John Napier. Also known as Government Art Museum, the architectural style of museum is a mix of Indian, Chinese, Kerala and Mughal Schools of Architecture.





**Yoga for Humanity**

**गुवाहटी संभाग  
Guwahati Region**



**8th International Day of Yoga**

**21 June 2022**

## Yoga at Srimanta Sankaradeva Kalakshetra

Students of KV Khanapara celebrated 8th International Day of Yoga 2022 at the iconic place of Srimanta Sankaradeva Kalakshetra. Staff members and parents of K V Khanapara were also the part of the mass demonstration organised at this iconic place of Assam. Srimanta Sankaradeva Kalakshetra, commonly known as Kalakshetra, is a cultural institution in the Panjabari area of Guwahati, Assam, India, named after the medieval poet-playwright and reformer Srimanta Sankardev. It includes a cultural museum, library and various facilities for preserving, demonstrating and performing cultural items, besides a children's park. In addition to being Northeast India's largest cultural congregation, the Kalakshetra is also a major tourist spot in Guwahati. Built in the 1990s, the artistic excellence of Assam and rest of the north-eastern region is displayed here. Srimanta Sankaradeva Kalakshetra attempts to capture and convey the essence of the great seer's spirit, who preached the message of unity in diversity, sang the song of glorious Bharata-Varsha and the universal brotherhood.

## बटद्रवा थान पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

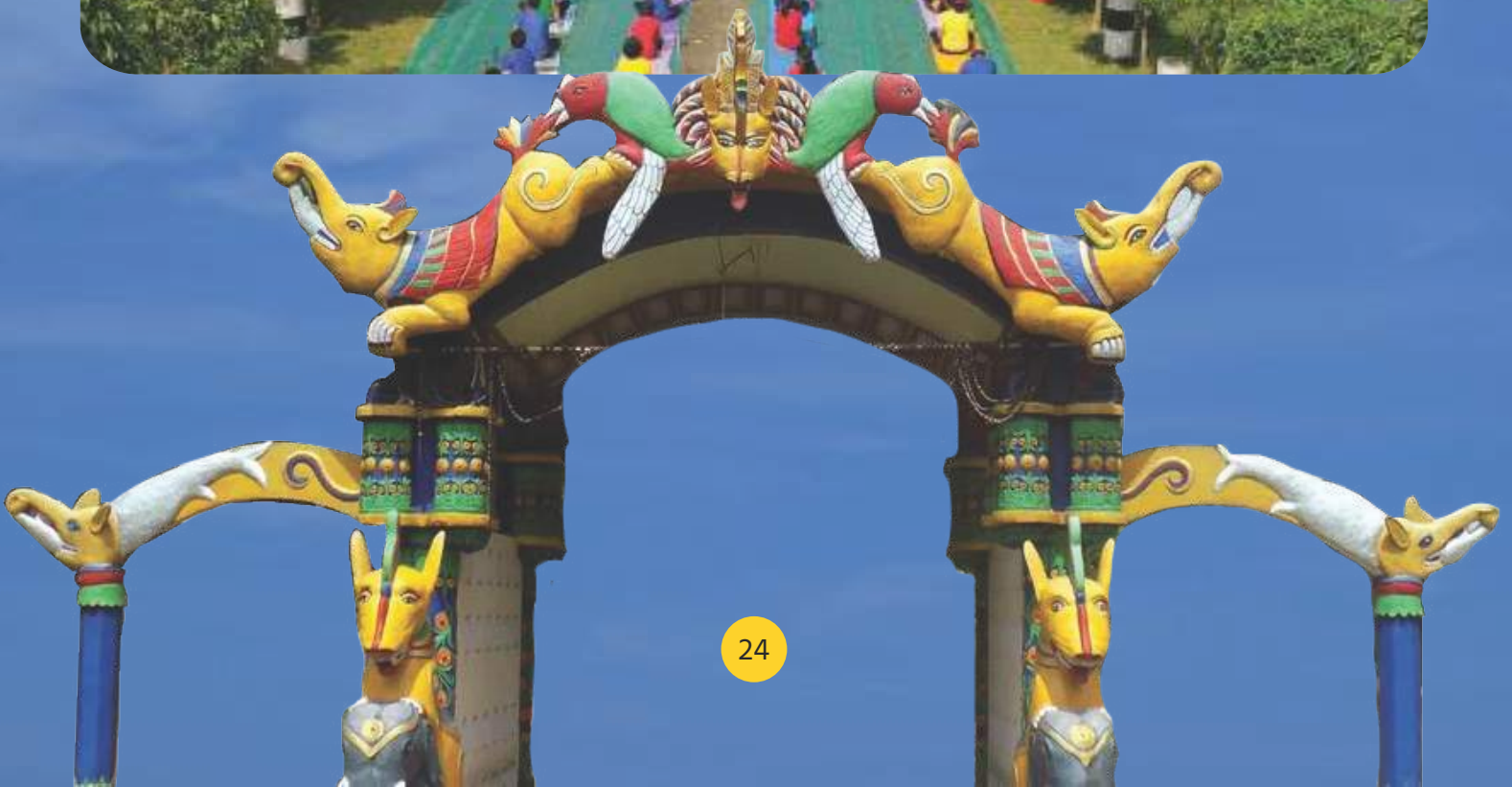
केन्द्रीय विद्यालय नगाँव द्वारा महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव जन्मस्थली बटद्रवा में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। असम के नगाँव जिले में बोरदोवा स्थित बटाद्रवा थान श्रीमंत शंकरदेव द्वारा स्थापित सबसे प्रसिद्ध थानों में से एक है। इसे श्री श्री बटद्रवा थान नाम दिया गया है। 'थान' का अर्थ असमिया समाज में एक पवित्र स्थान है। परंपरागत रूप से इस शब्द का इस्तेमाल किसी पवित्र स्थान को इंगित करने के लिए किया जाता रहा है। यह संस्कृत शब्द 'स्थान' से बना है। श्रीमंत शंकरदेव ने अपने द्वारा बनाई गई आवासीय धार्मिक संस्था को इंगित करने के लिए इस स्वदेशी असमिया शब्द 'थान' का इस्तेमाल किया। श्रीमंत शंकरदेव ने 1468 में यहां पहली बार कीर्तनघर की स्थापना की। इस स्थान का महत्व इस तथ्य से भी लिया गया है कि उनका जन्म 1449 में अलीपुरखुरी - बोरदोवा में हुआ था। 1493 में अपनी 12 साल की लंबी तीर्थ यात्रा से लौटने के बाद उन्होंने यहीं अपने वैष्णव धार्मिक विचारों का नियमित और व्यवस्थित उपदेश देना शुरू किया।





## Yoga at Swargadeo Chaolung Sui-Ka-Pha Samanwaya Kshetra

Kendriya Vidyalaya No. 3 Jorhat organized mass demonstration of Yoga at Iconic place Swargadeo Chaolung Sui-Ka-Pha Samanwaya Kshetra, Jorhat. A group of total 444 participants including Students, Teachers, Staff and other Stakeholders participated and performed yoga for Humanity. The Swargadeo Chaolung Sui-Ka-Pha Samanwaya Kshetra is located on the National Highway No. 37 about 12 kms from Jorhat Airport. It is a stand-alone cultural-cum-educational center near Jorhat. Swargadeo Chaolung Sui-Ka-Pha was the founder king of the Ahom Kingdom who came to Assam on 2nd of December in 1229 AD. The State of Assam came to be known as Asom after this great Ahom King. Tremendous contribution was made by Swargadeo (Heavenly King) Sui-Ka-Pha towards the integration of the tribes and castes of Assam such that the 2nd December of every year, the day on which this great king came to Assam, is being observed as “Sui-Ka-Pha Diwas” by the people of Assam and subsequently was declared as “Assam Diwas” by the Government of Assam.



बंगलुरु संभाग  
Bengaluru Region



8th International Day of Yoga  
21 June 2022



## **KV Hassan celebrated Yoga Day at the historical place of Halebeedu**

KV Hassan celebrated the International day of Yoga 2022 the historical place of Halebeedu. A total number of 55 students, 15 parents, 8 staff members participated in the programme. Halebeedu is located in Hassan district in Karnataka. Ketumalla, the chief of staff of Hoysala Kingdom, built this temple during 1121 A.D and attributed to his king, Vishnuvardhana and queen, Shantala Devi. Even then it is learnt that it took 105 years to complete. If one stands on the platform of the temple and sees around he will see the hills opposite and two big bulls facing the temple and Lord Ganesh figure on the south. The Hoysala dynasty ruled over much of South India for close to 200 years and during this time they built spectacular temples; both Hindu as well as Jain.

## **Kendriya Vidyalaya Mysuru at Somnathpura Temple**

Kendriya Vidyalaya Mysuru celebrated 8th International Yoga Day at Somnathpura Temple, a historical site under Archeological survey of India, 31 Kms away from KV Mysuru. A total number of 131 students along with their teachers and parents participated in the event. This famous Temple built by the Hoysala commander, Somnath, in 1268 A.D is a live example of the heritage and culture of the Hoysala Empire and it was constructed using the soapstone. A monumental beauty, the architectural design of this temple attracts people from all over the world. The Archaeological Survey of India has declared it as a heritage site.



## KV Hospete at Stone Chariot Temple, Hampi

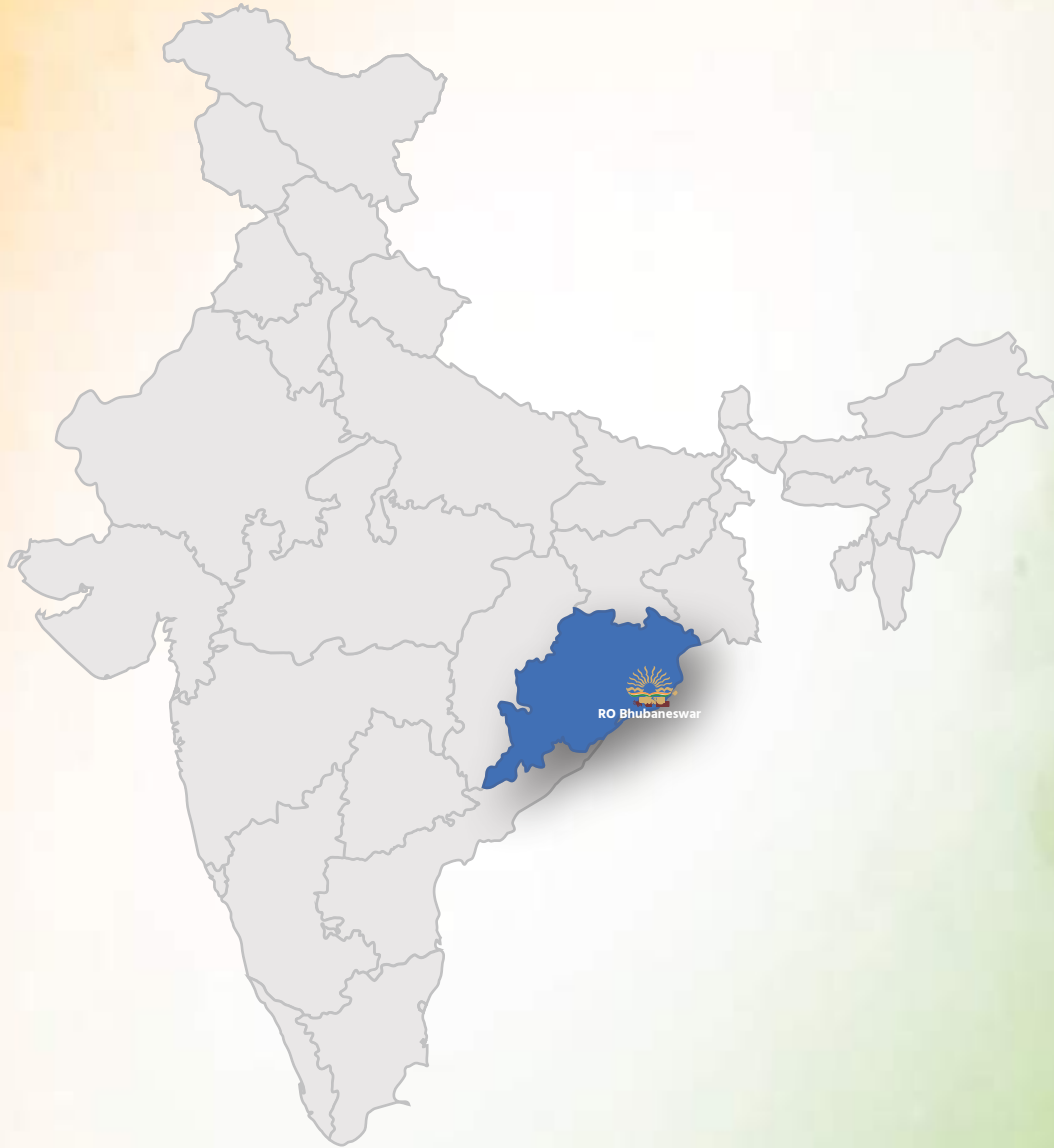
Students and Staff members of KV Hospete celebrated International Yoga day at the famous Stone Chariot Temple in Hampi. Stone Chariot is an iconic monument located in front of Vijaya Vittala Temple in Hampi, central Karnataka. Hampi is a UNESCO World Heritage Site. Stone Chariot is a shrine dedicated to Garuda, the official vehicle of Lord Vishnu. Stone Chariot in Hampi is one of the three most popular stone chariots in India. Other two are in Konark (Odisha) and Mahabalipuram (Tamil Nadu). Built in Dravidian style, chariot has carvings depicting mythical battle scenes. Standing on two giant wheels, two elephants are seen pulling the chariot. Stone Chariot is made of multiple smaller stones assembled to perfection. Stone Chariot was built in the 16th century by the orders of King Krishnadevaraya of Vijayanagara Empire.





**Yoga for Humanity**

**भुवनेश्वर संभाग  
Bhubaneswar Region**



**8th International Day of Yoga**

**21 June 2022**



## KV Puri students at Sun Temple Konark

The Yoga festival was celebrated in KV Puri from 15th to 21st June 2022. On International Yoga Day 62 members including students, Principal and other staff performed the Yoga protocol framed by Ministry of Ayush, GOI at Sun Temple Konark. Union Railway Minister Sh. Aswini Vaishnab was present in the programme. The Konarak Sun temple is dedicated to the Sun god Surya, and, conceived as a giant stone chariot with 12 wheels, it is the most famous of the few sun temples built in India. It is located about 35 km northeast of the city of Puri on the coastline in the state of Odisha. It was built c. 1250 CE by King Narasimhadeva I (R. 1238-1264 CE) of the Eastern Ganga dynasty (8th century CE - 15th century CE). The temple in its present state was declared by UNESCO a World Heritage Site in 1984 CE.





## केन्द्रीय विद्यालय क्रं. 2 संबलपुर ने हीराकुंड बांध पर मनाया योग दिवस

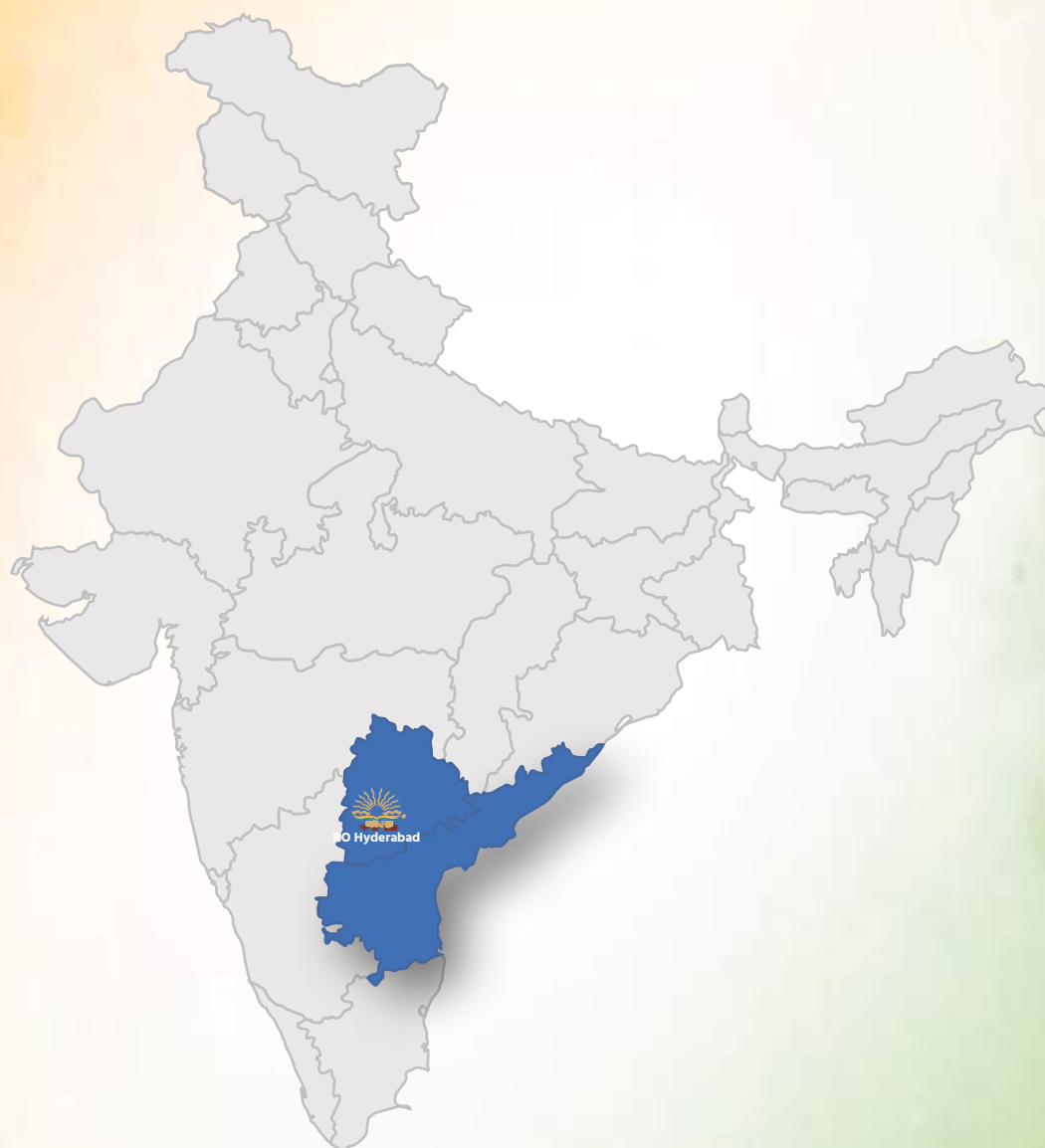
केन्द्रीय विद्यालय क्रं. 2 संबलपुर ने हीराकुंड बांध स्थित जवाहर उद्यान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। योग कार्यक्रम में विद्यालय के छात्रगण, शिक्षक गण एवं अभिभावक भी उपस्थित रहे। हीराकुंड बांध महानदी नदी के पार संबलपुर जिले में स्थित है। हीराकुंड न केवल सबसे लंबा मिट्टी का बांध है, बल्कि एशिया की सबसे बड़ी कृत्रिम झील भी है, जिसकी भंडारण क्षमता 743 वर्ग किमी और 640 किलोमीटर से अधिक है। हीराकुंड बांध वर्ष 1957 में बनाया गया था। बांध की नींव 15 मार्च 1946 को ओडिशा के गवर्नर सर हावथ्रोन लुईस द्वारा रखी गई थी। इस परियोजना ने वर्ष 1966 से अपनी पूर्ण क्षमता पर काम करना शुरू कर दिया था।

## KV No. 2 Bhubaneswar performs Yoga at Khandagiri Caves

Students and Staff members of KV No. 2 Bhubaneswar celebrated the Yoga festival at the historic Khandagiri Caves. Khandagiri caves are located at the distance of six kilometers from Bhubaneswar. The caves of Khandagiri are located at the height of 118 feet. It is situated on the hill rock slope facing the Udayagiri caves. Khandagiri means the 'broken hill' and the Udayagiri means 'hill of the sunrise'. The caves of Khandagiri are famous as the popular Jain pilgrimage center. It is believed that these caves in the ancient times were inhabited by the number of Jain scholars. They are believed to be over 2000 years old. These caves presents the finest example of the Jain and Buddhist occupation.



**हैदराबाद संभाग  
Hyderabad Region**



**8th International Day of Yoga**

21 June 2022



## KVians perform Yoga at Warangal Fort

One hundred students of Kendriya Vidyalaya Warangal performed Yogasanas at the iconic site Warangal Fort. LED and other display arrangements were made for live streaming of honourable Prime Minister's address from Mysuru. Warangal fort is located in Warangal district, Telangana, India. It was the capital city of Kakatiya dynasty and Musunuri Nayakas. It appears to have existed since at least the 12th century when it was the capital of the Kakatiyas. The fort has four ornamental gates known as Kakatiya Kala Thoranum, that originally formed the entrances to a now ruined great Shiva temple. The Kakatiya arch has been adopted and officially incorporated into the emblem of Telangana after the bifurcation of Andhra Pradesh. Initially Warangal was under the rule of Rashtrakuta dynasty in the 8th century and western Chalukya empire in 10th century AD. In the 12th century AD it came under the control of the sovereign Kakatiya dynasty. Although precise dating of its construction and subsequent enhancements is uncertain, historians and archaeologists generally agree that an earlier brick walled structure was replaced with stone by Ganapati deva (1199 AD-1262 AD) and was completed by his daughter Rudrama Devi who ruled until 1289 and further strengthened by her grandson Pratapa Rudra II, whose reign came to be known as a Golden age.



## Kendriya Vidyalaya No.2 Vijayawada at Undavalli Caves

The Principal, Staff & Students of KV No. 2 Vijayawada participated in the 8th IDY at Undavalli Caves. They performed various Asanas starting with the prayer, Tadasana, Virkshasana, Pada-Hastasana, Ardh-Chakrasana, Trikonasana , Dandasana, Bhadrasana, Vajrasana, Ardh-Ushtrasana, Ushtrasana, Shashankasana, Uttana-manduk-asana etc. The Undavalli Caves date back to the 7th century BC and are prime example of rock-cut architecture. The caves are about 8 KMs from Vijayawada and offer a unique perspective into ancient religious practices. The caves are carved out of sandstone on the side of a hill. While there are many caves, largest is the one that is most popular for its huge monolith of Lord Vishnu in the reclining posture. The main cave is a prime example of Gupta architecture style, which concentrated on primitive rock-cut

## KV No. 2 Golconda at Salar Jung Museum

The Principal, Staff & Students of KV No. 2 Vijayawada participated in the 8th IDY at Salar Jung Museum along with the Deputy Commissioner and other senior officials of KVS Hyderabad Region. Salar Jung Museum is located at Dar-ul- shifa on the southern bank of the Musi river in the city of Hyderabad. It has a collection of sculptures, paintings, carvings, Textiles, Manuscripts ceramics, metallic artifacts, clocks, carpets etc. from Japan, China, Burma, Nepal, India, Persia, Egypt, Europe and North America. Originally the Museum was housed in Dewan Deodhi and later shifted to the present iconic building. It is the third largest museum in India and has a worldwide fame for its biggest one-man collection of antiques artefacts dating back to the first century. Musical clock at Salar Jung Museum is the main attraction. The English Bracket Clock at the Museum is said to have been manufactured in England and assembled in Calcutta in the late 19th century. It was acquired by Salar Jung III from Cooke and Kelvey company. The clock has more than 350 parts. It contains a mechanism by which a small toy figure of a bearded soldier comes out from the enclosure 3 minutes before every hour and exactly at the 0th minute strikes the gong as per the time, and then goes back inside.





## Yoga for Humanity

### जबलपुर संभाग Jabalpur Region



**8th International Day of Yoga**

**21 June 2022**

## केन्द्रीय विद्यालय वाहन निर्माणी जबलपुर ने किया चौंसठ योगिनी मंदिर परिसर में योग

केन्द्रीय विद्यालय वाहन निर्माणी जबलपुर द्वारा संस्कारधानी की ऐतिहासिक संपन्नता की धरोहर चौंसठ योगिनी मंदिर भेड़ाघाट में योगाभ्यास किया, जिसके अन्तर्गत विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों, प्राचार्य ने अपनी सक्रिय सहभागिता दिखाई। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण लयबद्ध योग था। इस अवसर पर जबलपुर संभाग के उपायुक्त एवं अन्य वरीय अधिकारियों ने भी विद्यार्थियों के साथ योग किया।

### चौंसठ योगिनी मंदिर के बारे में

चौंसठ योगिनी मंदिर जबलपुर, मध्य प्रदेश का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। यह मंदिर जबलपुर की ऐतिहासिक संपन्नता में एक और अध्याय जोड़ता है। प्रसिद्ध संगमरमर चट्टान के पास स्थित इस मंदिर में देवी दुर्गा की 64 अनुषंगिकों की प्रतिमा है। इस मंदिर की विशेषता इसके बीच में स्थापित भागवान शिव की प्रतिमा है, जो कि देवियों की प्रतिमा से घिरी हुई है। इस मंदिर का निर्माण सन 1000 के आसपास कलचुरी वंश के शासकों ने करवाया था। जबलपुर का चौंसठ योगिनी मंदिर सुप्रसिद्ध पर्यटन स्थल भेड़ाघाट व धुआंधार जलप्रपात के नजदीक एक ऊंची पहाड़ी के शिखर पर स्थापित है।



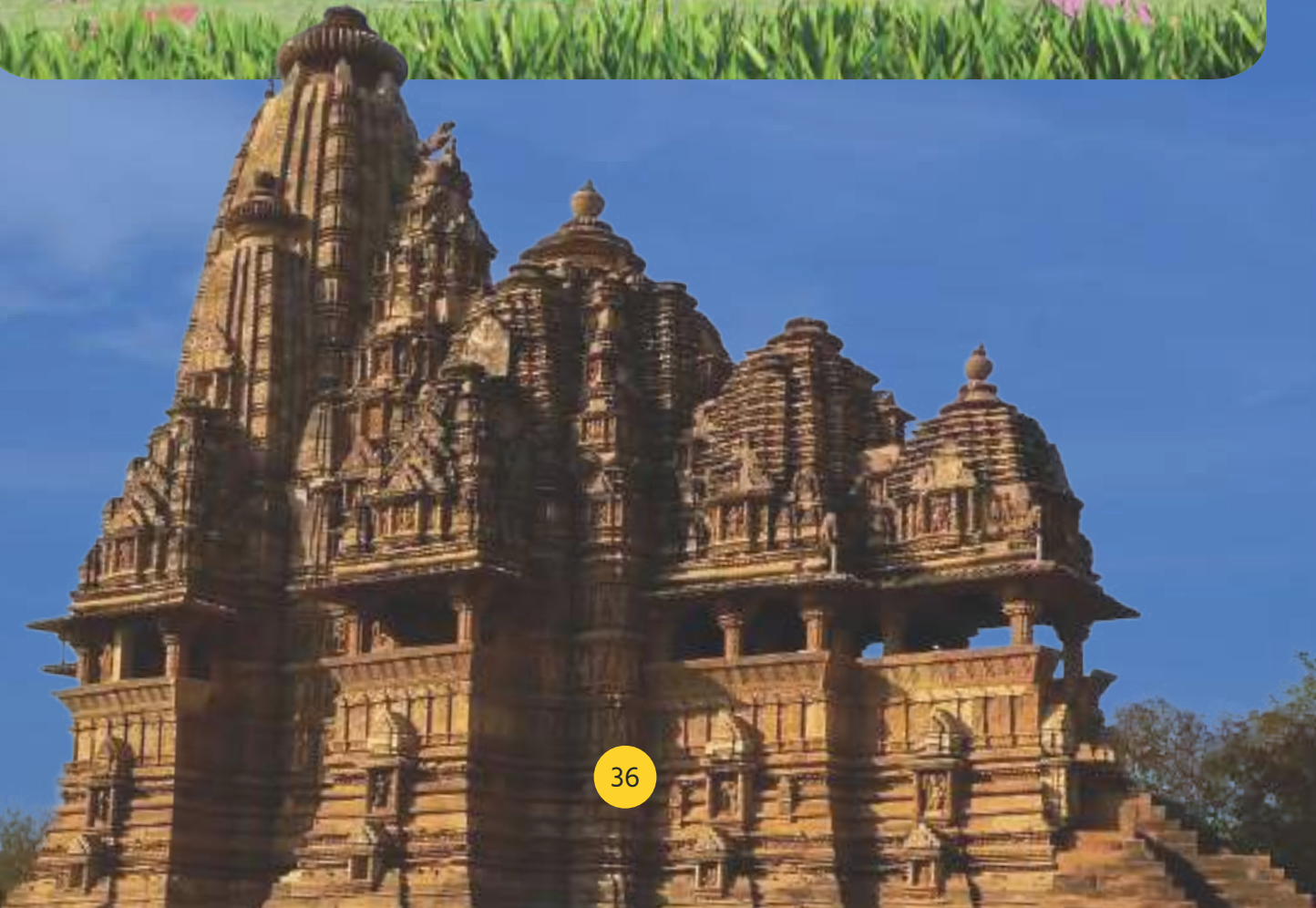


## केन्द्रीय विद्यालय छतरपुर ने किया खजुराहो मंदिर परिसर में योग

केन्द्रीय विद्यालय छतरपुर के 54 विद्यार्थियों ने एतिहासिक स्थल खजुराहो मंदिर परिसर में सामूहिक योगाभ्यास किया।

### खजुराहो मंदिर के बारे में

खजुराहो के मंदिर नागर शैली के मंदिरों का एक अद्भुत उदाहरण हैं। मंदिरों में एक गर्भगृह, एक छोटा आंतरिक-कक्ष (अंतराल), एक अनुप्रस्थ भाग (महामण्डप), अतिरिक्त सभागृह (अर्ध मंडप), एक मंडप या बीच का भाग और एक चल मार्ग (प्रदक्षिणा-पथ) जो बड़ी खिड़कियों के साथ है। खजुराहो, अपने सुशोभनीय मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है, इन्हे चंदेला शासकों द्वारा 900 ईस्वी से 1130 ईस्वी के बीच बनाया गया था। ऐसा कहा जाता है कि यह मंदिर 20 वर्ग किलोमीटर में फैले हुए थे और 12वीं शताब्दी में यहाँ लगभग 85 मंदिर थे। समय के साथ खजुराहो में मंदिरों की संख्या घटकर आज केवल 20 हो गयी है। खजुराहो के ज्यादातर मन्दिर चन्देल राजवंश के समय 950 और 1050 ईस्वी के मध्य बनाए गए थे।



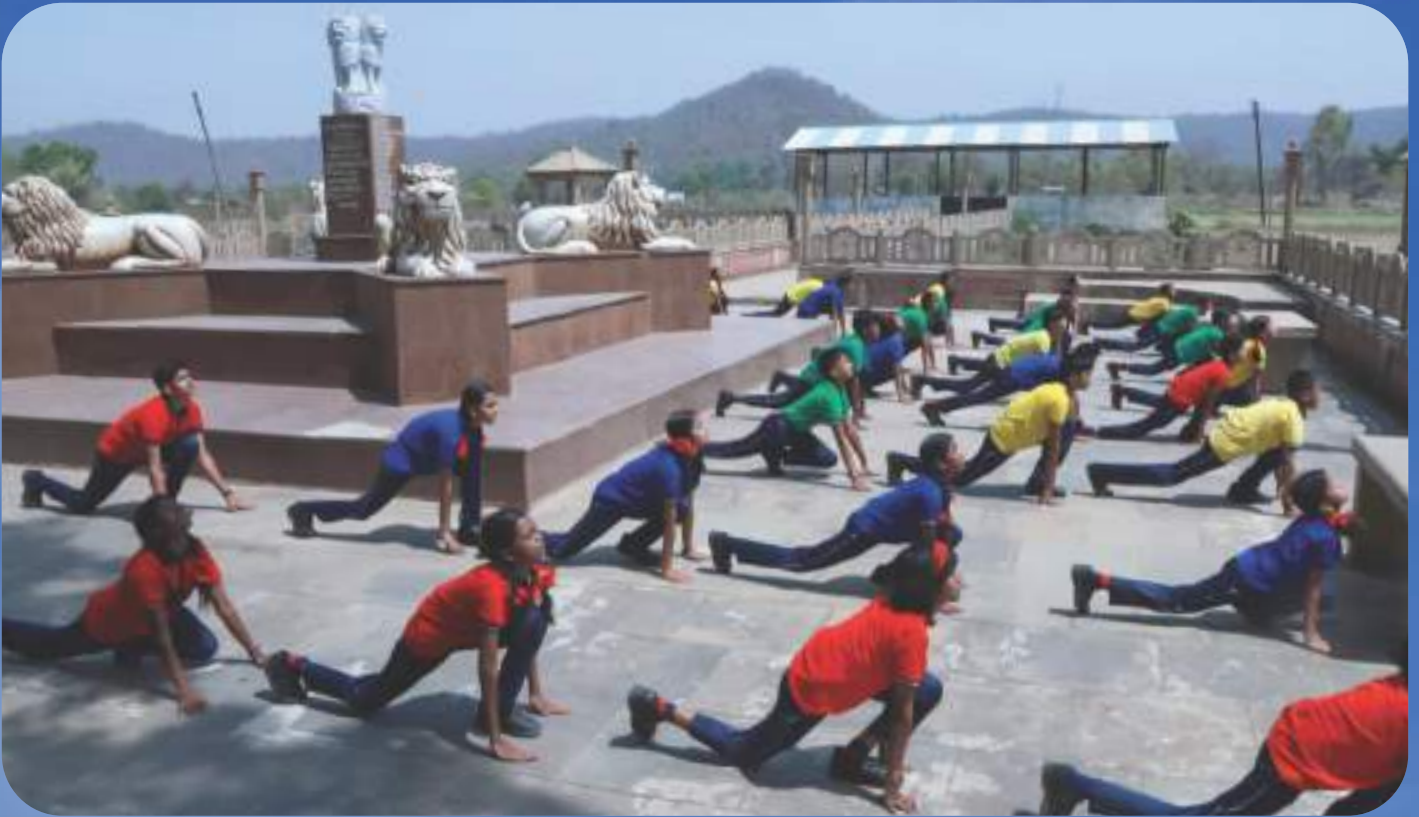


## केन्द्रीय विद्यालय सीओडी जबलपुर ने किया भारत के भौगोलिक मध्य बिंदु पर योगाभ्यास

केन्द्रीय विद्यालय सीओडी जबलपुर के 32 विद्यार्थियों, शिक्षकों और प्राचार्य ने भारत के भौगोलिक मध्य बिंदु पर योगाभ्यास किया।

### करौंदी में देश का भौगोलिक केन्द्र बिंदु

भौगोलिक दृष्टि से कटनी जिले की ढीमरखेड़ा तहसील के करौंदी गांव का अपना महत्व है। करीब 200 लोगों की आबादी वाले गांव को भारत का भौगोलिक केंद्र बिंदु माना जाता है। भारत के आठ राज्यों से गुजरने वाली कर्क रेखा इस गांव से गुजरती है। विंध्याचल पर्वत श्रृंखला की पहाड़ियों में बसे इस गांव को इसी खासियत की वजह से देश का दिल भी कहते हैं।





## Yoga for Humanity

### जयपुर संभाग Jaipur Region

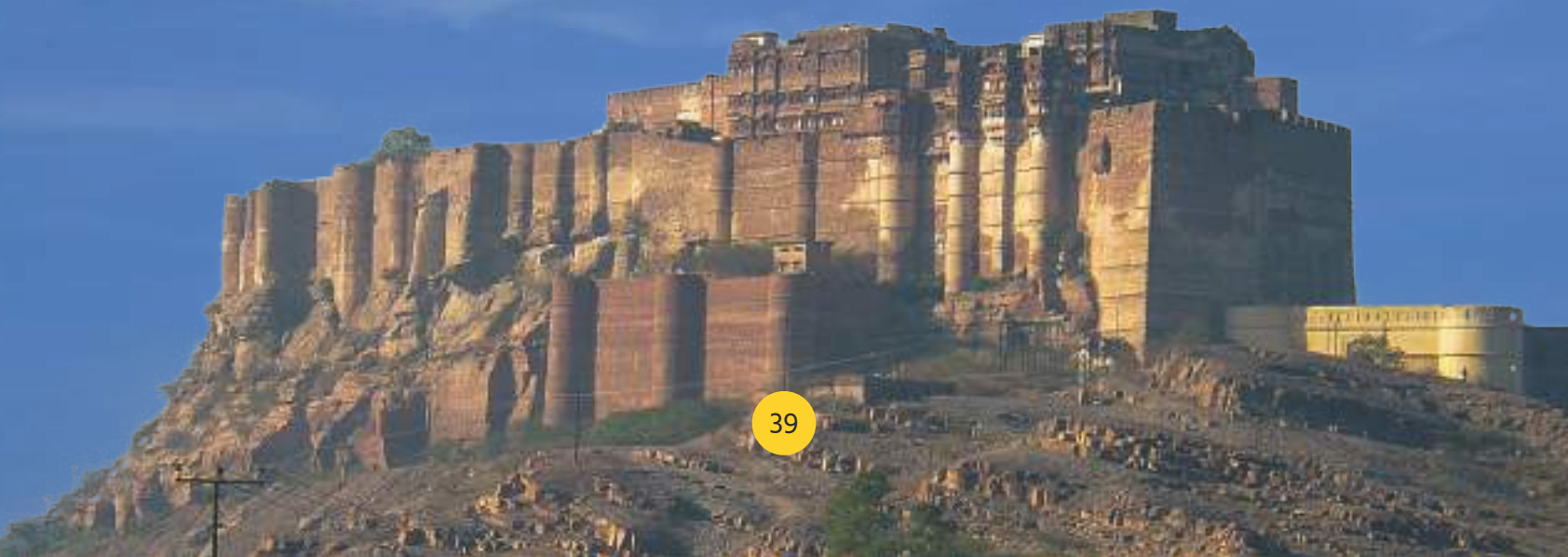


**8th International Day of Yoga**

**21 June 2022**

## मेहरानगढ़ किला परिसर में योगाभ्यास

केंद्रीय विद्यालय संगठन जयपुर संभाग के जोधपुर संकुल के सातों केंद्रीय विद्यालयों का सामूहिक योग प्रदर्शन भारत के प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल मेहरानगढ़ किला परिसर में समारोह पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस मयुराकृति दुर्ग का निर्माण राठौर वंश के राव जोधा ने 12 मई 1459 ई. में प्रारम्भ करवाया था तथा महाराज जसवंत सिंह ने 1638-1678 ई. में पूर्ण करवाया। वर्तमान में मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट के द्वारा किले का प्रबंधन किया जा रहा है। मेहरानगढ़ किला भारत के प्राचीनतम किलों में से एक है और भारत के समृद्धशाली अतीत का प्रतीक है। मेहरानगढ़ दुर्ग भारत के राजस्थान प्रांत में जोधपुर शहर में स्थित है। पन्द्रहवीं शताब्दी का यह विशालकाय किला, पथरीली चट्टान पहाड़ी पर, मैदान से 125 मीटर ऊँचाई पर स्थित है और आठ द्वारों व अनगिनत बुर्जों से युक्त दस किलोमीटर लंबी ऊँची दीवार से घिरा है। बाहर से अदृश्य, घुमावदार सड़कों से जुड़े इस किले के चार द्वार हैं। किले के अंदर कई भव्य महल, अद्भुत नक्काशीदार किवाड़, जालीदार खिड़कियाँ हैं। इन महलों में भारतीय राजवेशों के साज सामान का विस्मयकारी संग्रह निहित है। इसके अतिरिक्त पालकियाँ, हाथियों के हौदे, विभिन्न शैलियों के लघु चित्रों, संगीत वाद्य, पोशाकों व फर्नीचर का आश्चर्यजनक संग्रह भी है।





## Yoga for Humanity

### जम्मू संभाग Jammu Region



**8th International Day of Yoga**

**21 June 2022**

## जम्मू संभाग के विद्यार्थियों ने तीन स्थानों पर मनाया योग दिवस

केन्द्रीय विद्यालय संगठन जम्मू संभाग के विद्यार्थियों ने तीन महत्वपूर्ण स्थानों पर 8वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इनमें केन्द्रीय विद्यालय मिरान साहिब के विद्यार्थियों ने सुचेतगढ़ बॉर्डर पर, केन्द्रीय विद्यालय क्रं. 2 जम्मू के विद्यार्थियों ने अमर महल पर और केन्द्रीय विद्यालय पहलगाम के विद्यार्थियों ने बेताब घाटी में योगाभ्यास किया।

### सुचेतगढ़

राज्य पर्यटन विभाग द्वारा सुचेतगढ़ सीमा चौकी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया गया है। सुचेतगढ़ जम्मू जिले की आर एस पुरा तहसील का आखिरी गांव है जो पाकिस्तान के साथ अपनी सीमा साझा करता है। जम्मू से आरएस पुरा की दूरी 17 किलोमीटर है और आरएस पुरा से सुचेतगढ़ की दूरी 11 किलोमीटर है। जम्मू से सुचेतगढ़ सीमा की कुल दूरी 28 किलोमीटर है।

### अमर महल

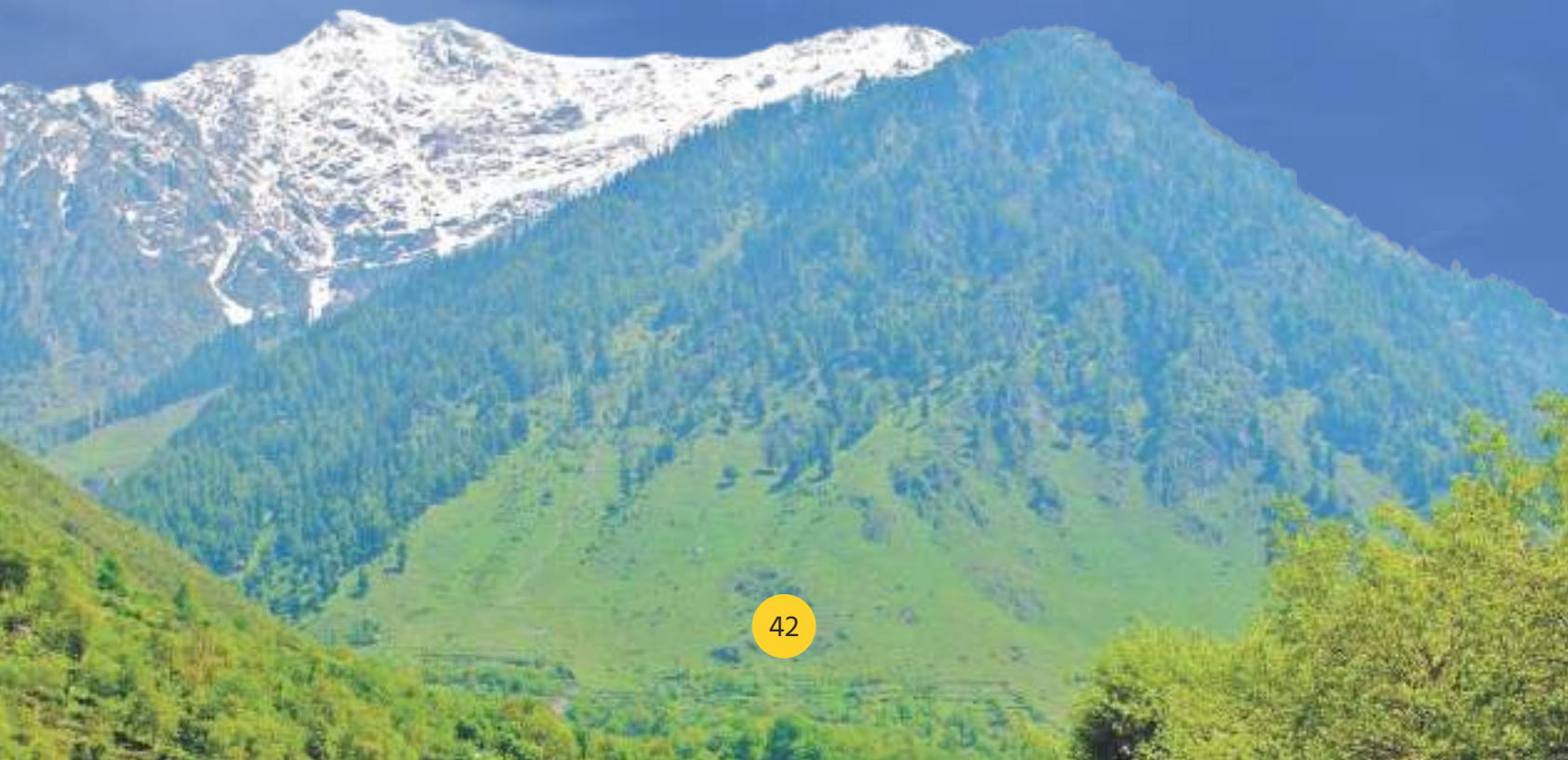
अमर महल को 1890 में डोगरा शासक राजा अमर द्वारा बनवाया गया था। किले की डिजाइन को फ्रांसीसी वास्तुकार ने ताराशा था। राजा अमर का पूरा परिवार इसी महल में निवास करता था, वर्तमान समय में पुराने काल की कई अनोखी और बहुमूल्य वस्तुएं यहां देखने को मिलती है। इस महल 20,000 से ज्यादा पुस्तकों का कलेक्शन है जो यहां के संग्रहालय में रखी हुई है।





## बेताब घाटी

बेताब घाटी जम्मू-कश्मीर के पहलगाम से 7 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक शानदार स्थान है। यह स्थान प्रसिद्ध शेषनाग झील का जन्म स्थान है। प्रकृति की खूबसूरती निहारने वालों के लिए बेताब घाटी एक सटीक जगह है। यह स्थान अपनी ख़ास खूबसूरती के लिए सम्पूर्ण कश्मीर में एक ख़ास पहचान रखता है। कहा जाता है कि भारतीय सिनेमा की सुपरहिट हिन्दी फ़िल्म 'बेताब' के हिट होने के बाद इस स्थान का नाम 'बेताब घाटी' रखा गया था। क्योंकि इसी स्थान पर 'बेताब' फ़िल्म की शूटिंग हुई थी।





## Yoga for Humanity

### लखनऊ संभाग Lucknow Region



**8th International Day of Yoga**

**21 June 2022**

## के.वि. गोमतीनगर के विद्यार्थियों ने दिलकुशा कोठी में किया योग

केन्द्रीय विद्यालय गोमतीनगर, लखनऊ के विद्यार्थियों ने ऐतिहासिक स्थल दिलकुशा कोठी के प्रांगण में 8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इस अवसर पर 120 विद्यार्थियों एवं 25 शिक्षकों द्वारा योग प्रदर्शन एवं अभ्यास किया गया।

### दिलकुशा कोठी

दिलकुशा कोठी, लखनऊ के दिलकुशा क्षेत्र में गोमती नदी के तट पर स्थित है। इस कोठी को सन् 1800 में एक ब्रिटिश मेजर गोरे ऑस्ले ने बनवाया था, जो अवध के नवाब के दोस्त हुआ करते थे। वर्तमान में यह कोठी या प्राचीन स्मारक एक खंडहर में तब्दील हो चुका है। इस इमारत की वास्तुकला डिजायन में इंग्लैंड के नॉर्थम्बरलैंड के सिटॉन डेलावल हॉल के पैटर्न की स्पष्ट झलक देखने को मिलती है। इसे वास्तव में नवाबों के शिकार लॉज के रूप में बनवाया गया था लेकिन बाद में इसे गर्मियों में रहने वाले घर के तौर पर इस्तेमाल किया जाने लगा। इस कोठी में कोई भी आंगन नहीं है। इस कोठी का इस्तेमाल भारत की आजादी की पहली लड़ाई के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा किया गया था। हालांकि, भारी बमबारी के बाद ब्रिटिश सेना ने इस पर कब्जा कर लिया था और फलस्वरूप यह कोठी अपनी भव्यता और महिमा खोती चली गई। भारतीय पुरातत्व विभाग ने क्षय को रोकने के लिए संरक्षण कार्य किया है।







## केंद्रीय विद्यालय ओ.ई.एफ. कानपुर के बच्चे पहुंचे बिठूर

केंद्रीय विद्यालय ओ.ई.एफ. कानपुर के 90 बच्चों व 15 शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने 1857 के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के दाँत खट्टे करने वाले महान नायक पेशवा नानासाहब को समर्पित नानाराव स्मारक पार्क बिठूर में आयोजित योगाभ्यास में भाग लिया।

### नाना राव स्मारक पार्क

नाना राव स्मारक पार्क एक विशाल सार्वजनिक उद्यान है, जिसे प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी नाना साहिब के सम्मान में निर्मित किया गया। भारतीय स्वतंत्रता से पहले इस स्थान को स्मारक कुएं के रूप में जाना जाता था। यह उद्यान तात्या टोपे, रानी लक्ष्मी बाई, लाला लाजपत राय और अजीजान बाई जैसे व्यक्तित्वों के ऐतिहासिक सम्मान में निर्मित मूर्तियों और पानी के फव्वारों से सुशोभित है।



मुंबई संभाग  
Mumbai Region



8th International Day of Yoga

21 June 2022



## Yoga at Gateway of India by KV no. 2, Colaba

International Yoga Day 2022 was celebrated by the students and staff of KV No.2, Colaba at the Gateway of India and Kala Ghoda in Mumbai City with great zeal.

The Gateway of India is located on the waterfront at Apollo Bunder area at the end of Chhatrapati Shivaji Marg in South Mumbai and overlooks the Arabian Sea. The Gateway of India is an arch-monument built in the early 20th century in the city of Mumbai, India. It was erected to commemorate the landing of King-Emperor George V, the first British monarch to visit India, in December 1911 at Ramchandani Road near Shyamaprasad Mukherjee Chowk. The monument has also been referred to as the Taj Mahal of Mumbai, and is the city's top tourist attraction. Today, the monument is synonymous with the city of Mumbai, and is amongst its prime tourist attractions. The gateway is also a gathering spot for locals, and photographers soliciting services. It holds significance for commercial ferry operations.

Kala Ghoda is a hub of cultural activities and a throbbing urban node with institutions. 40 students displayed Yoga at Kala Ghoda, Fort which was organized by India tourism Mumbai, the Regional office of Ministry of Tourism, Government of India.



## **KV Ganeshkhind at Aga Khan Palace**

Students of Kendriya Vidyalaya Ganeshkhind were fortunate to celebrate International yoga day 2022 at Aga Khan Palace. Historically, the palace holds great significance. Mahatma Gandhi, his wife Kasturba Gandhi and his secretary Mahadev Desai were interned in the palace from 9th August 1942 to 6 May 1944, following the launch of Quit India Movement. Kasturba Gandhi and Mahadev Desai died during their captivity period in the palace and have their Samadhis located over there. Mahatma Gandhi and Kasturba Gandhi have their memorials located in the same complex, near Mula river. The palace houses a museum which holds a rich collection of pictures related with Indian Freedom struggle.

## **Yoga Demonstration at Ellora Caves by KV Aurangabad**

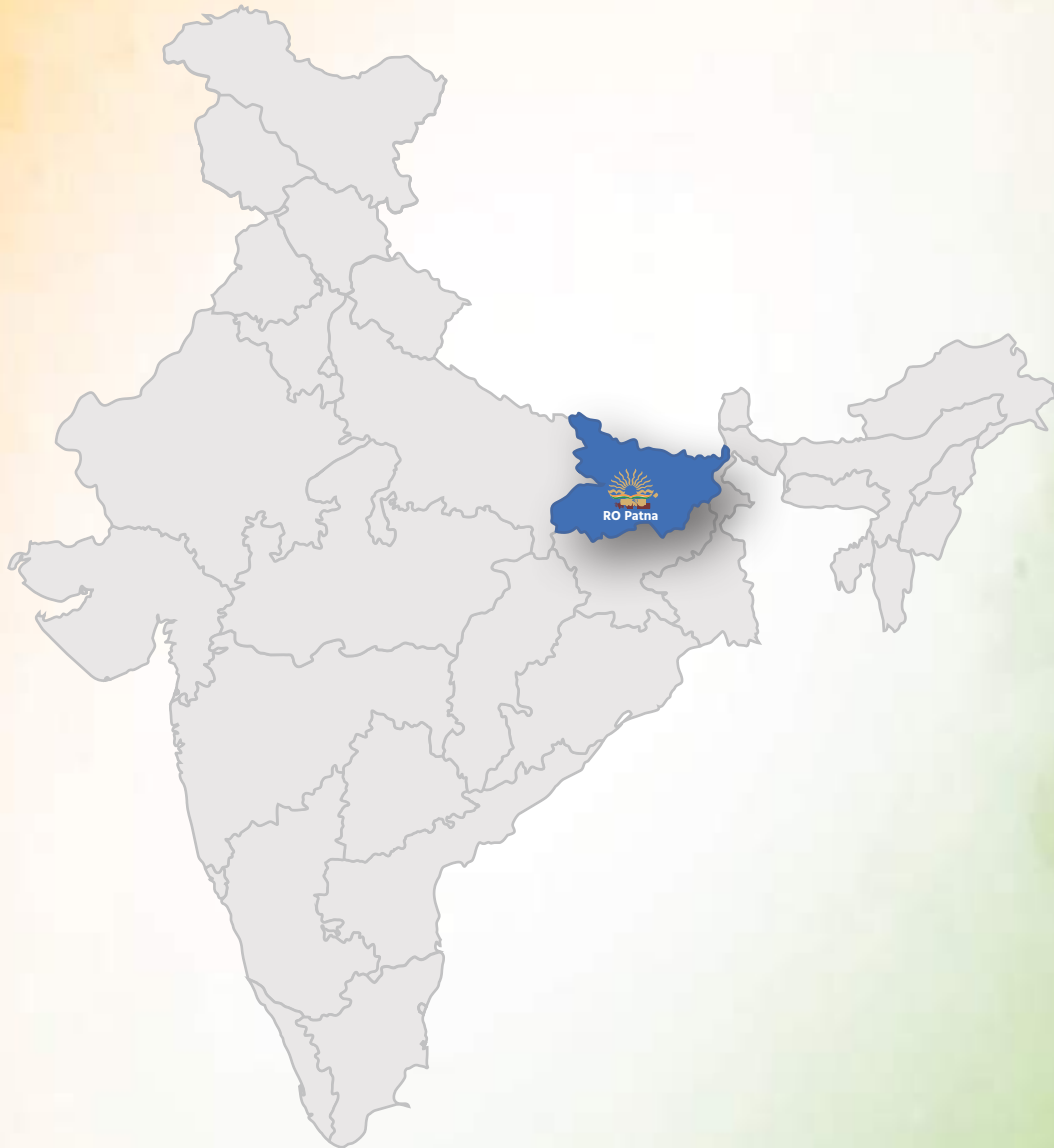
Students, Teachers and other staff members of KV Aurangabad performed Yogasanas at the historic site of Ellora Caves of Aurangabad. Ellora Caves is one among the many world famous Heritage Sites of India. The invaluable ensemble of 34 caves at Ellora in the Charanandri hills of western India's Maharashtra State showcases a spirit of co-existence and religious tolerance through the outstanding architectural activities carried out by the followers of three prominent religions: Buddhism, Hinduism, and Jainism. These 34 monasteries and temples, extending over more than 2 km, were dug side by side in the wall of a high basalt cliff, not far from Aurangabad, in Maharashtra. Ellora, with its uninterrupted sequence of monuments dating from A.D. 600 to 1000, brings the civilization of ancient India to life. Not only is the Ellora complex a unique artistic creation and a technological exploit but, with its sanctuaries devoted to Buddhism, Hinduism and Jainism, it illustrates the spirit of tolerance that was characteristic of ancient India.





## Yoga for Humanity

### पटना संभाग Patna Region



**8th International Day of Yoga**

**21 June 2022**

## बिहार के तीन ऐतिहासिक स्थलों पर योगाभ्यास

केन्द्रीय विद्यालय संगठन पटना संभाग के विद्यार्थियों ने 8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ऐतिहासिक गांधी मैदान, नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहर और बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर परिसर में योगाभ्यास किया। पटना के गांधी मैदान में कुल 1321, गया स्थित महाबोधि मंदिर परिसर में कुल 373 और नालंदा विश्वविद्यालय खंडहर परिसर में कुल 166 विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों ने सामूहिक योगाभ्यास किया।

## प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय खंडहर

यह प्राचीन दरबे में उच्च शिक्षा का सर्वाधिक महत्वपूर्ण और विख्यात केन्द्र था। महायान बौद्ध धर्म के इस शिक्षा-केन्द्र में बौद्ध-धर्म के साथ ही अन्य धर्मों के तथा अनेक देशों के छात्र पढ़ते थे। वर्तमान बिहार राज्य में पटना से 88.5 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व और राजगीर से 11.5 किलोमीटर उत्तर में एक गाँव के पास खोजे गए इस महान बौद्ध विश्वविद्यालय के भग्नावशेष इसके प्राचीन वैभव का बहुत कुछ अंदाज़ करा देते हैं। अनेक पुराभिलेखों और सातवीं शताब्दी में दरबे के इतिहास को पढ़ने आये चीनी यात्री ह्वेनसांग तथा इत्सिंग के यात्रा विवरणों से इस विश्वविद्यालय के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है। यहाँ 10,000 छात्रों को पढ़ाने के लिए 2,000 शिक्षक थे। प्रसिद्ध चीनी यात्री ह्वेनसांग ने 7 वीं शताब्दी में यहाँ जीवन का महत्वपूर्ण एक वर्ष एक विद्यार्थी और एक शिक्षक के रूप में व्यतीत किया था। प्रसिद्ध 'बौद्ध सारिपुत्र' का जन्म यहीं पर हुआ था।





## गांधी मैदान, पटना

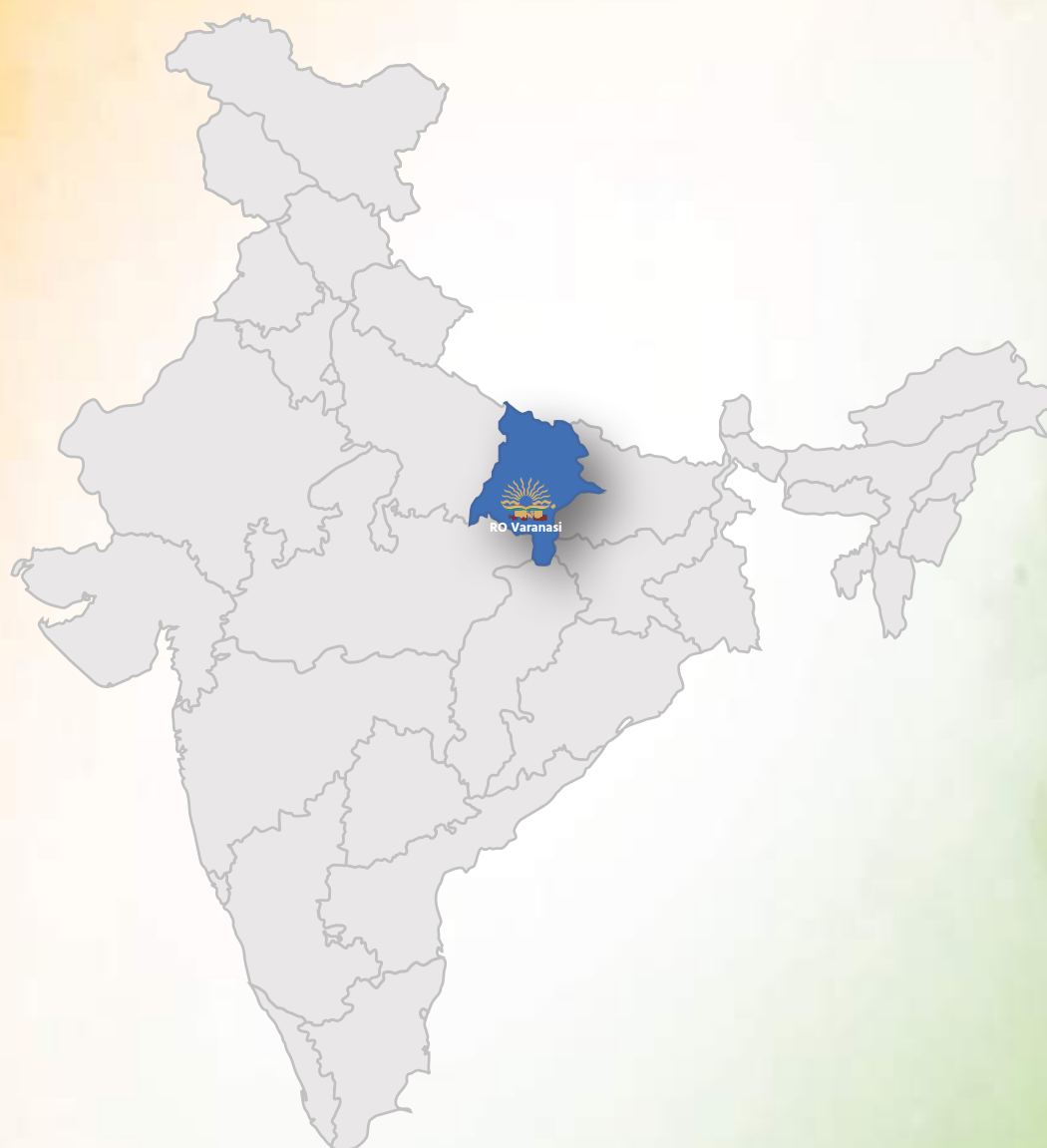
बिहार की राजधानी पटना में स्थित गांधी मैदान गंगा नदी के तट के पास एक ऐतिहासिक मैदान है। 1824-1833 की अवधि के दौरान, ब्रिटिश शासन काल में इसे गोल्फ कोर्स और घुड़दौड़ ट्रैक के रूप में इस्तेमाल किया जाता था और इसे पटना लॉन कहा जाता था। यह 60 एकड़ भूमि में फैला हुआ है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान पटना लॉन पर कई आंदोलन शुरू किए गए, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण चंपारण आंदोलन और 1942 का भारत छोड़ो आंदोलन था। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के कई प्रमुख नेता, जैसे महात्मा गांधी, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, अनुग्रह नारायण सिन्हा, सरदार पटेल, मौलाना आजाद, जवाहरलाल नेहरू, जय प्रकाश नारायण और श्रीकृष्ण सिन्हा ने यहां अपनी रैलियों को संबोधित किया।

## महाबोधि मंदिर

महाबोधि मंदिर बिहार के बोधगया में गंगा नदी के मैदानी भाग में स्थित है। महाबोधि मंदिर भगवान बुद्ध की ज्ञान प्राप्ति का स्थल है। प्रथम मंदिर तीसरी शताब्दी ई. पू. में सम्राट अशोक द्वारा निर्मित कराया गया था और वर्तमान मंदिर पांचवीं या छठवीं शताब्दी में बनाए गए। यह ईंटों से पूरी तरह निर्मित सबसे प्रारंभिक बौद्ध मंदिरों में से एक है जो भारत में गुप्त अवधि से अब तक खड़े हुए हैं। महाबोधि मंदिर का स्थल महात्मा बुद्ध के जीवन से जुड़ी घटनाओं और उनकी पूजा से संबंधित तथ्यों के असाधारण अभिलेख प्रदान करते हैं, विशेष रूप से जब सम्राट अशोक ने प्रथम मंदिर का निर्माण कराया और साथ ही कटघरा और स्मारक स्तंभ बनवाया।



**वाराणसी संभाग  
Varanasi Region**



**8th International Day of Yoga  
21 June 2022**





## Yoga at Chandra Shekhar Azad Park

Students, staff and Principal of KV Old Cantt, Prayagraj visited Chandra Shekhar Azad Park on the occasion of 8th International Yoga Day and performed yoga near the memorial of Freedom Fighter Chandra Shekhar Azad. Different Yoga Asanas were performed by 60 students, 10 teachers of KV Old Cantt, Prayagraj at this place.

Chandra Shekhar Azad Park, also known as Alfred Park is the biggest, historical and popular park of Prayagraj. Born on 23rd July 1906, Chandra Shekhar Azad was an ardent nationalist and is considered as mentor of Bhagat Singh. His unconditional love and selfless sacrifice are considered to be epitome of patriotism in Indian History. This park reminds the sacrifice of Chandra Shekhar Azad and other freedom fighters. It has a big statue of Martyr Chandra Shekhar Azad and gives a real feeling of his bravery. It develops a feeling of patriotism and sacrifice for our country.

## Yoga at Chauri Chaura

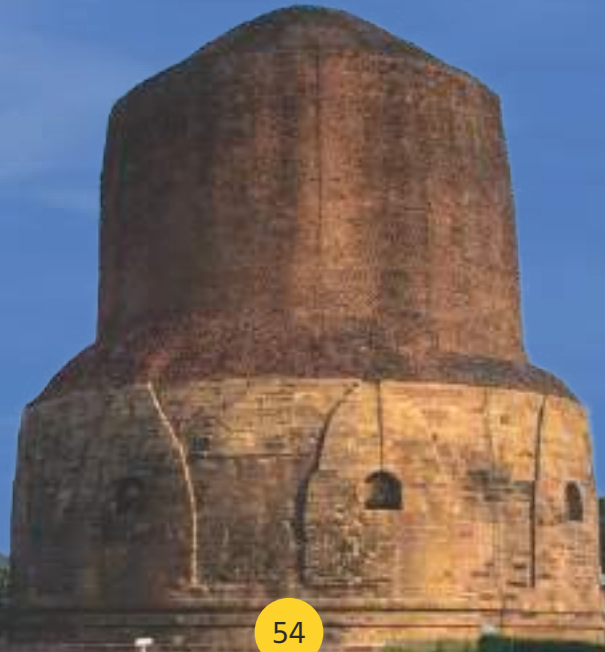
Chauri Chaura is Iconic place near Gorakhpur district of Uttar Pradesh. During Mahatma Gandhi's Non-Cooperation Movement on 4th February 1922 there were clashes between the Britishers and the participants of Non-Cooperation movement and the agitators became violent after which Gandhiji had to call off the movement. Since then this place is regarded as focal point of Indian freedom struggle. On the occasion of 8<sup>th</sup> International Day of Yoga on 21 June 2022, a mega event was jointly organized by Kendriya Vidyalaya No. 2 FCI and CRPF Faizabad on the grounds of Shahid Smarak Chauri Chaura. A total number of 85 students and 15 teachers participated in the program.



## सारनाथ में योगाभ्यास

अन्तराष्ट्रीय योग दिवस पर केन्द्रीय विद्यालय 39 जीटीसी वाराणसी के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सारनाथ के ऐतिहासिक स्तूप के पास योगाभ्यास किया। इस अवसर पर 10 शिक्षक और लगभग 100 बच्चों ने सामूहिक योग कर इस दिवस को यादगार बनाया।

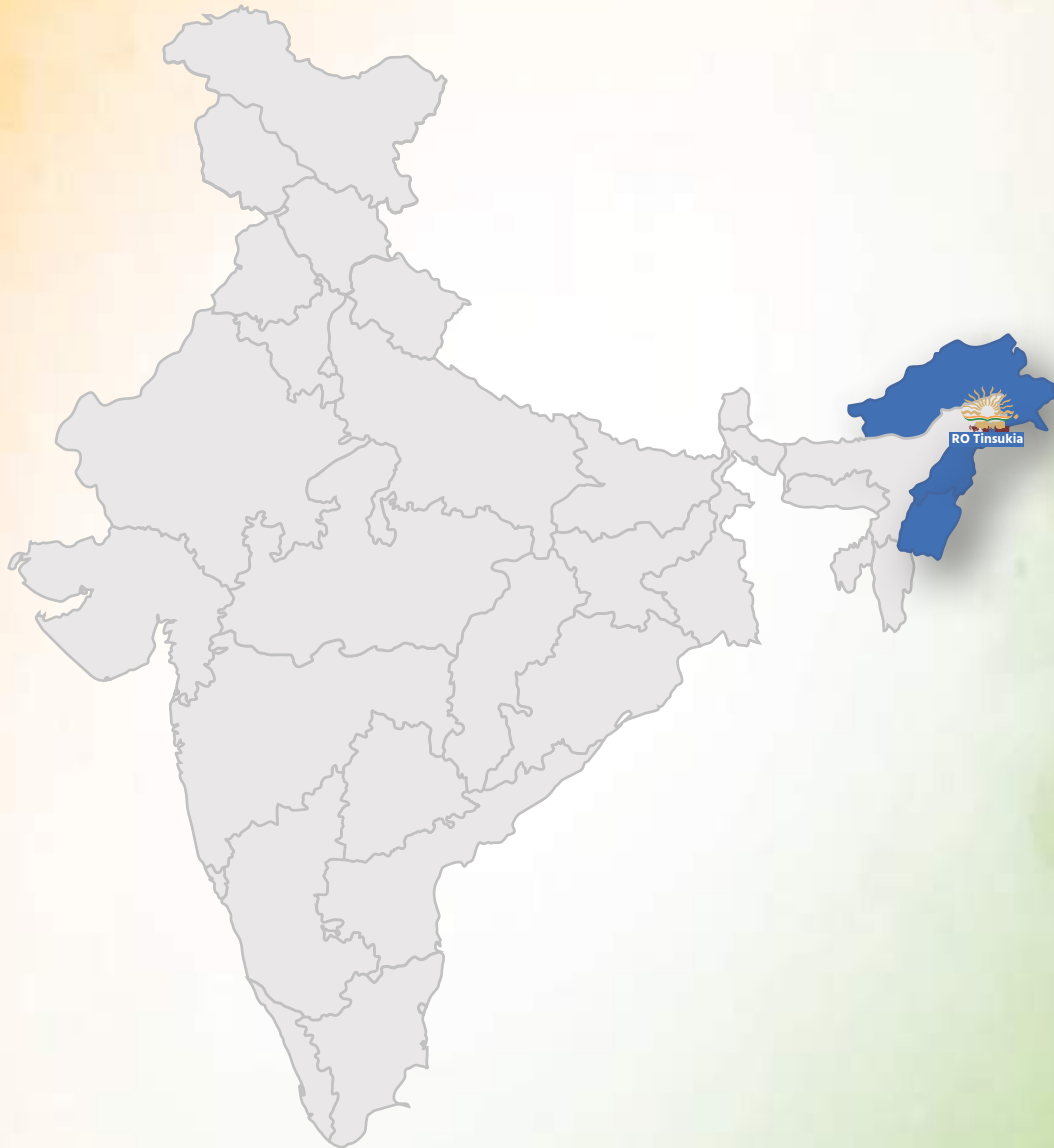
सम्राट अशोक ने सारनाथ में धर्मराजिका स्तूप, धमेख स्तूप एवं सिंह स्तंभ का निर्माण करवाया। धमेख स्तूप सारनाथ, उत्तर प्रदेश में स्थित है। यह वाराणसी से 13 किलोमीटर की दूरी पर है। इस स्तूप के निकट ही मौर्य सम्राट अशोक का एक स्तम्भ भी है। ऐसा माना जाता है कि डीयर पार्क में स्थित धमेख स्तूप ही वह स्थान है, जहाँ भगवान बुद्ध ने अपने शिष्यों को प्रथम उपदेश दिया था। इस स्तूप को छः बार बड़ा किया गया था। इसके बावजूद भी इसका ऊपरी हिस्सा अधूरा ही रहा। इस स्तूप की नींव अशोक के समय में रखी गई थी। इसका विस्तार कुषाण काल में हुआ, लेकिन गुप्त काल में यह पूर्णतः तैयार हुआ।





**Yoga for Humanity**

**तिनसुकिया संभाग  
Tinsukia Region**



**8th International Day of Yoga**

**21 June 2022**

## Celebration of Yoga Day at Ita fort

KV No 2 Itanagar along with KV No. 1 Itanagar, celebrated the International Yoga Day with letter & spirit at the iconic place of Ita fort in Itanagar, Arunachal Pradesh. To celebrate the event, around 44 students with 6 teachers went to Ita fort to participate in Yoga Practice.

## About Ita fort

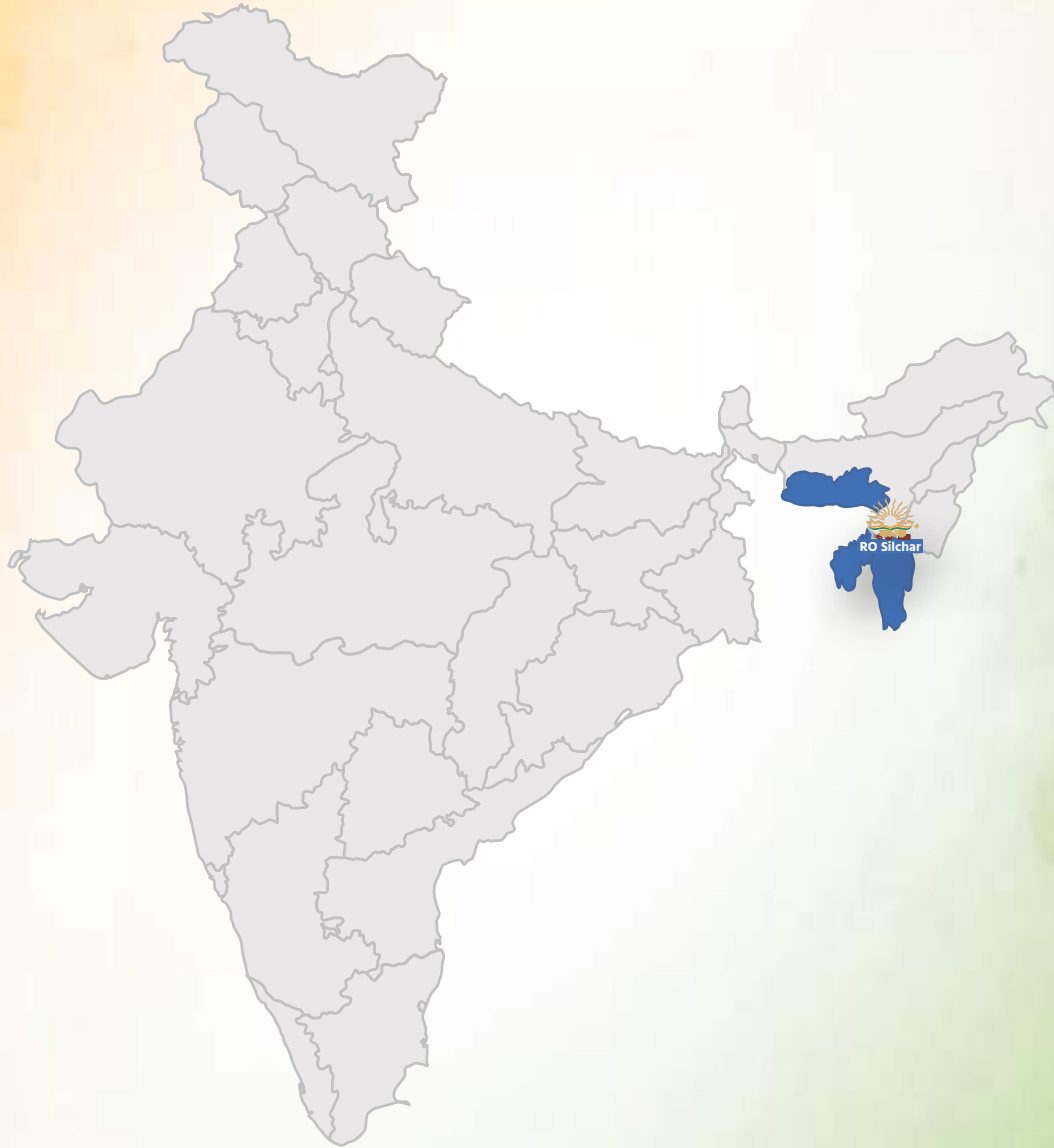
Ita fort in Itanagar town, is one of the most important historical sites in the state of Arunachal Pradesh, India. The name literally means “Fort of Bricks”(brick being called “Ita” in the Assamese language). It also lends its name to city Itanagar, the capital of Arunachal Pradesh. The Ita fort at arunachal Pradesh is generally assumed to be built as early as the 14th or the 15th century. The total brickwork is of 16,200 cubic metre lengths.





## Yoga for Humanity

### सिलचर संभाग Silchar Region

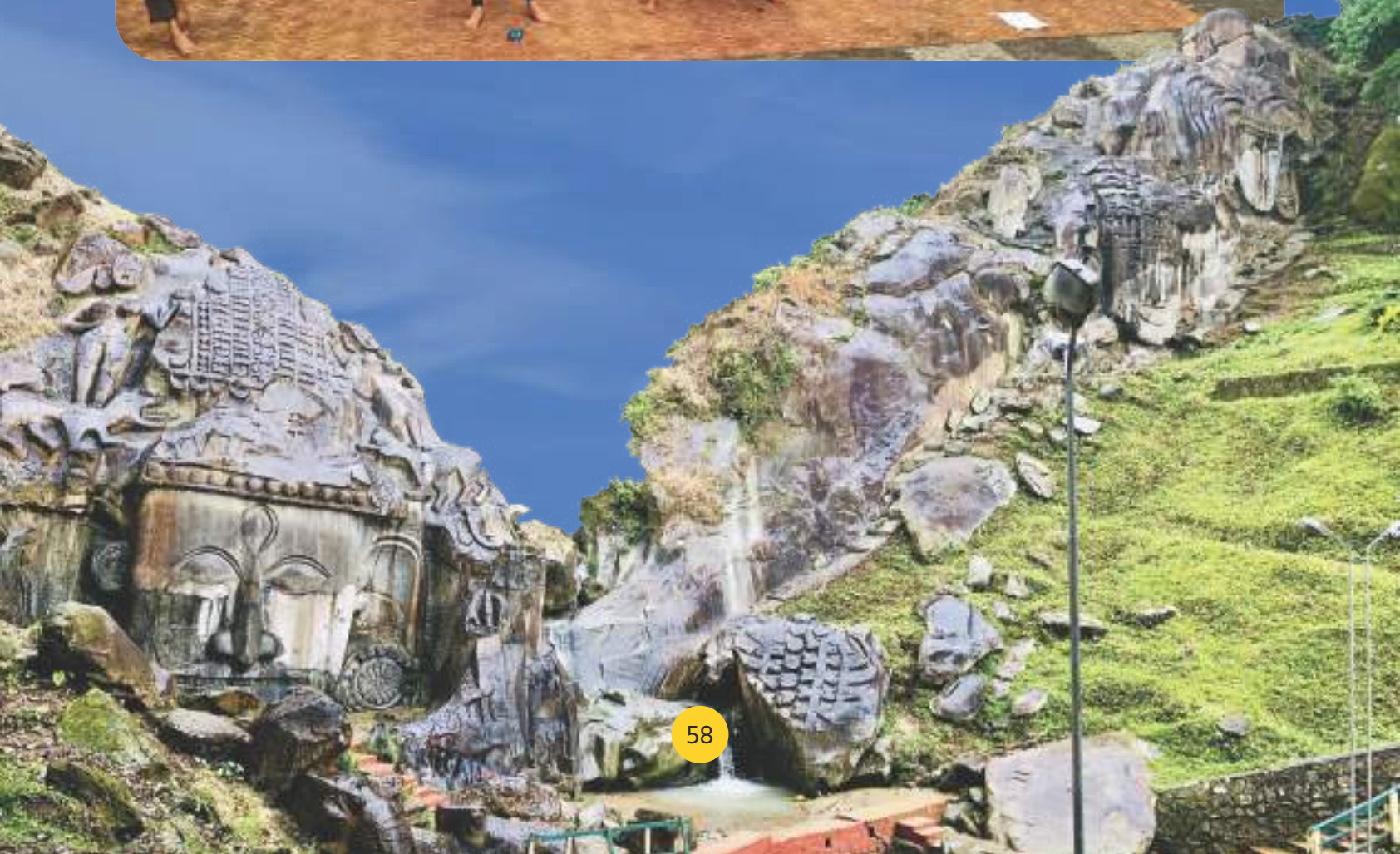


**8th International Day of Yoga**

**21 June 2022**

## Yoga at Unakoti Hills

Students from Kendriya Vidyalayas of Silchar region performed Yogasanas at the historic Unakoti Hill of Tripura. Unakoti is a hill from which the names of Unakoti district is derived. Unakoti hills literally means one Koti in Hindi and Bengali, hosts of Ancient Shaivita place of worship with huge rock reliefs. It is the prime tourist spot of Unakoti District in Tripura.





**Yoga for Humanity**

**रांची संभाग  
Ranchi Region**



**8th International Day of Yoga**

**21 June 2022**

## रांची संभाग ने तीन प्रसिद्ध स्थानों पर मनाया योग दिवस

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के रांची संभाग में झारखंड के तीन चयनित प्रसिद्ध ऐतिहासिक एवं प्रतिष्ठित स्थलों पर विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के साथ योग एवं प्राणायाम किया। रांची संभाग से जुड़े तीन प्रसिद्ध स्थान हैं- सूर्य मंदिर बेड़ो रांची, बिरसा मुंडा पार्क, धनबाद और जुबली पार्क जमशेदपुर

### सूर्य मंदिर

सूर्य मंदिर बेड़ो झारखंड के प्रसिद्ध ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों में से एक है। यह मंदिर रांची से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर रांची टाटा मार्ग पर अवस्थित है। यह मंदिर दर्शनीय स्थल है और पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र है। इस मंदिर परिसर में रांची संभाग के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों से 125 छात्र-छात्राओं एवं 42 शिक्षकों, अतिथियों एवं अभिभावकों ने योग कार्यक्रम में हिस्सा लिया।







## बिरसा मुंडा पार्क, धनबाद

धनबाद स्थित बिरसा मुंडा पार्क में भी केन्द्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने योगाभ्यास किया। यह पार्क बहुत ही खूबसूरत एवं कोयलांचल के क्षेत्र का गौरव माना जाता है। यहां की हरियाली देखते ही बनती है। इस योग स्थल पर विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों के 102 विद्यार्थियों, 23 शिक्षकों एवं अभिभावकों ने हिस्सा लिया।

## जुबली पार्क, जमशेदपुर

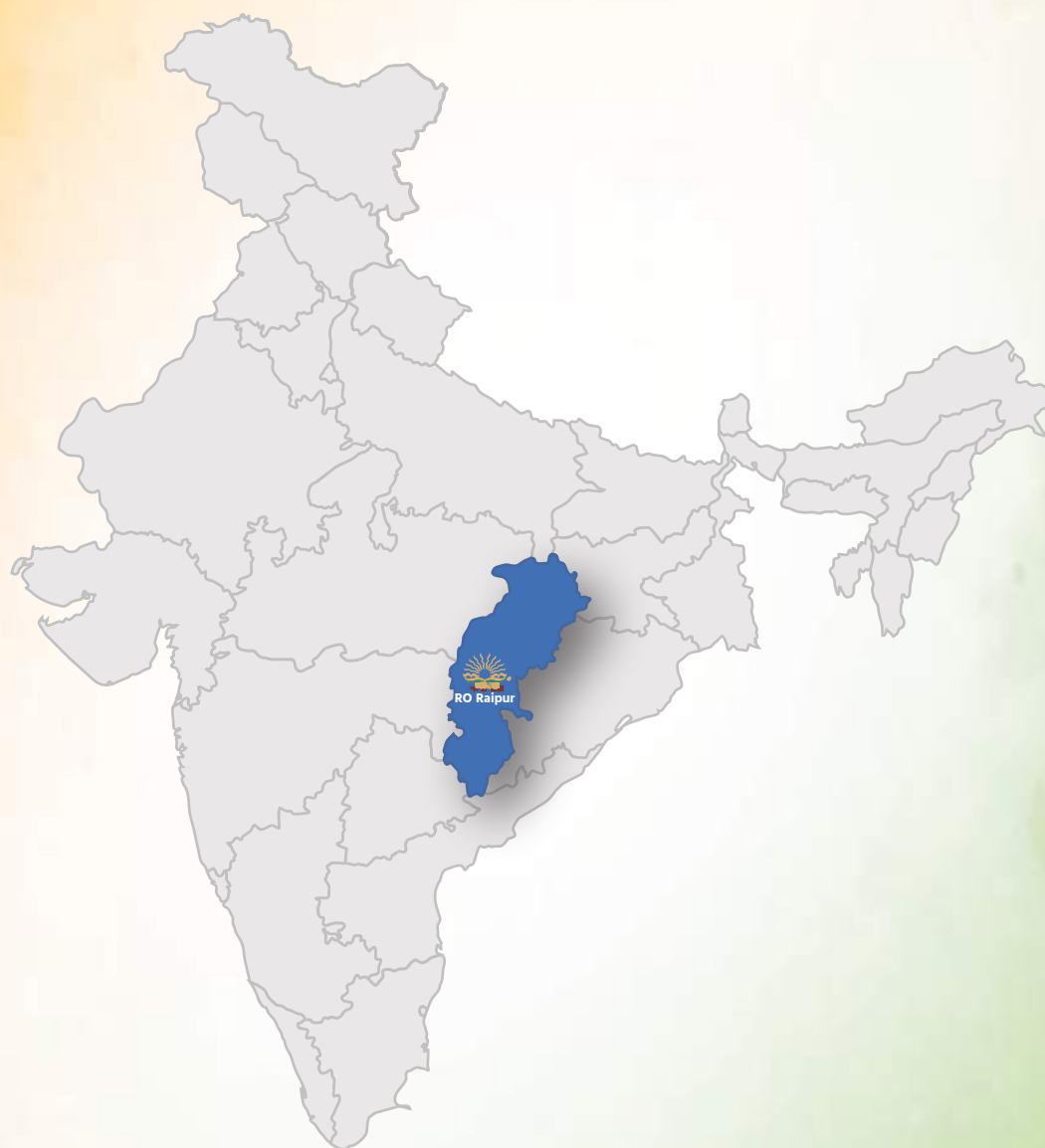
जमशेदपुर स्थित जुबली पार्क में केन्द्रीय विद्यालयों ने योग दिवस मनाया। इस पार्क की मनोरम छटा एवं खूबसूरती के बारे में सभी जानते हैं। सूर्योदय के समय यहां का नजारा बहुत ही खूबसूरत होता है। यहां की हरियाली एवं हरे-भरे वृक्ष सुंदर सुंदर फूल के पौधे सबके मन को आकर्षित करते हैं। इस योग स्थल पर विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों से 105 छात्र छात्राएं एवं 15 शिक्षकों एवं अभिभावकों ने हिस्सा लिया।



## Yoga for Humanity



### रायपुर संभाग Raipur Region



**8th International Day of Yoga**  
**21 June 2022**



## Yoga at Purkhauti Muktangan in Raipur

350 students from KV No. 1, KV No. 2 and KV Naya Raipur participated in Yoga Day celebrations at Purkhauti Muktangan.

### About the Place

Purkhauti Muktangan was inaugurated by the Hon'ble President of India A.P.J Abdul Kalam in November 2006. This blissful garden gives a glimpse of Chhattisgarh's rich culture. Life-like figures of tribals performing, different folk-art provide a wonderful, perspective on the vibrant treasures of Chhattisgarh. It is an apt place to understand the rich culture and heritage of the local tribes of Chhattisgarh and to impart the same knowledge to kids. The gallery also has miniature models of Chhattisgarh State tourism sites like Karwadha, Borham Dev, Mata Danteshwari Temple in Dantewada, Chitrakote of Bastar, the Jagdalpur Forest and several folk dance models. The key feature of the Purkhauti Muktangan is that one can expect to witness the whole of Chhattisgarh under one roof. Purkhauti Muktangan has also emerged as a prime destination in Raipur for movie shooting.



## Yoga Day at Maitri Garden of Bhilai

KV Durg organised the Yoga Day Celebrations at Maitri Garden in Bhilai-the symbol of friendship between India and the then Soviet Union. With the active cooperation of Bhilai Steel Plant the stage was set for more than 300 students and 50 teachers to perform Yoga in the historic Maitri Garden on 21st June 2022.

### About Maitri Bagh

A zoo cum children's park, maintained by the Bhilai Steel Plant. The highlights of the Zoo are exotic animal and avian species, lake, toy trains and others. The musical fountain, situated on the island in the artificial lake in Maitri Garden is a dynamic spectacle which responds to the music in a way that interprets the style and rhythm of the musical performance. As the music plays, jets of water shoot in the air, twist, sway, pirouette, pulse, drum and skip with the beat – each movement lit by brilliant colours. White tigers are the main attraction of the zoo. Every year a flower show is organized here.





## Yoga for Humanity

### दिल्ली संभाग Delhi Region



**8th International Day of Yoga**  
**21 June 2022**

## Yoga at Vasant Sports Complex

Students of KV JNU celebrated 8th International Yoga Day at Vasant Kunj Sports Complex. 50 Students and 4 Teachers performed various Yogasanas to celebrate the occasion. Vasant Kunj Sports Complex has been set up by the Delhi Development Authority for the development and growth of sports in Delhi. It has facilities for Tennis, Basketball, Badminton, Table Tennis, Billiards/Snooker, Cricket Practice Pitches, Football, Aerobics, Yoga, Taekwondo, Fitness Centre (multigym), Swimming, Jogging, Skating, Squash and Children's Park etc.





**Yoga for Humanity**

**देहरादून संभाग  
Dehradun Region**



**8th International Day of Yoga**

**21 June 2022**

## केन्द्रीय विद्यालय जोशीमठ के विद्यार्थियों ने औली की वादियों में किया योग

केन्द्रीय विद्यालय जोशीमठ के विद्यार्थियों ने औली की खूबसूरत वादियों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। उत्तराखंड के चमोली जिले में हिमालय की पहाड़ियों पर स्थित औली स्की करने के लिए एक पर्यटन स्थल है। गढ़वाली में औली को औली बुग्याल अर्थात् "घास के मैदान" के नाम से जाना जाता है। यह समुद्रतल से 2500 मी० (8200 फीट) से 3050 मी० (10,010 फीट) तक की ऊंचाई पर स्थित है। औली जोशीमठ से सड़क या रोपवे के माध्यम से पहुंचा जा सकता है। यहाँ से नंदादेवी, कमेट तथा दूनागिरी जैसी विशाल पर्वत चोटियों का मनोरम दृश्य दिखाई देता है। आमतौर पर जनवरी से मार्च तक औली की ढलानों पर लगभग 3 मी० गहरी बर्फ की चादर बिछी होती है। औली में स्थित 500 मी० के ढलान के साथ 3 किमी विस्तार वाला मैदान अंतर्राष्ट्रीय मानक के अनुसार एक बहुत अच्छा स्कीइंग ग्राउंड माना जाता है। बुलंद हिमाच्छादित पर्वतों की भूमिका पर्यटकों के हौसलों में और अधिक वृद्धि करता है। औली में स्कीइंग महोत्सव का भी आयोजन किया जाता है।





**चंडीगढ़ संभाग  
Chandigarh Region**



**8th International Day of Yoga  
21 June 2022**

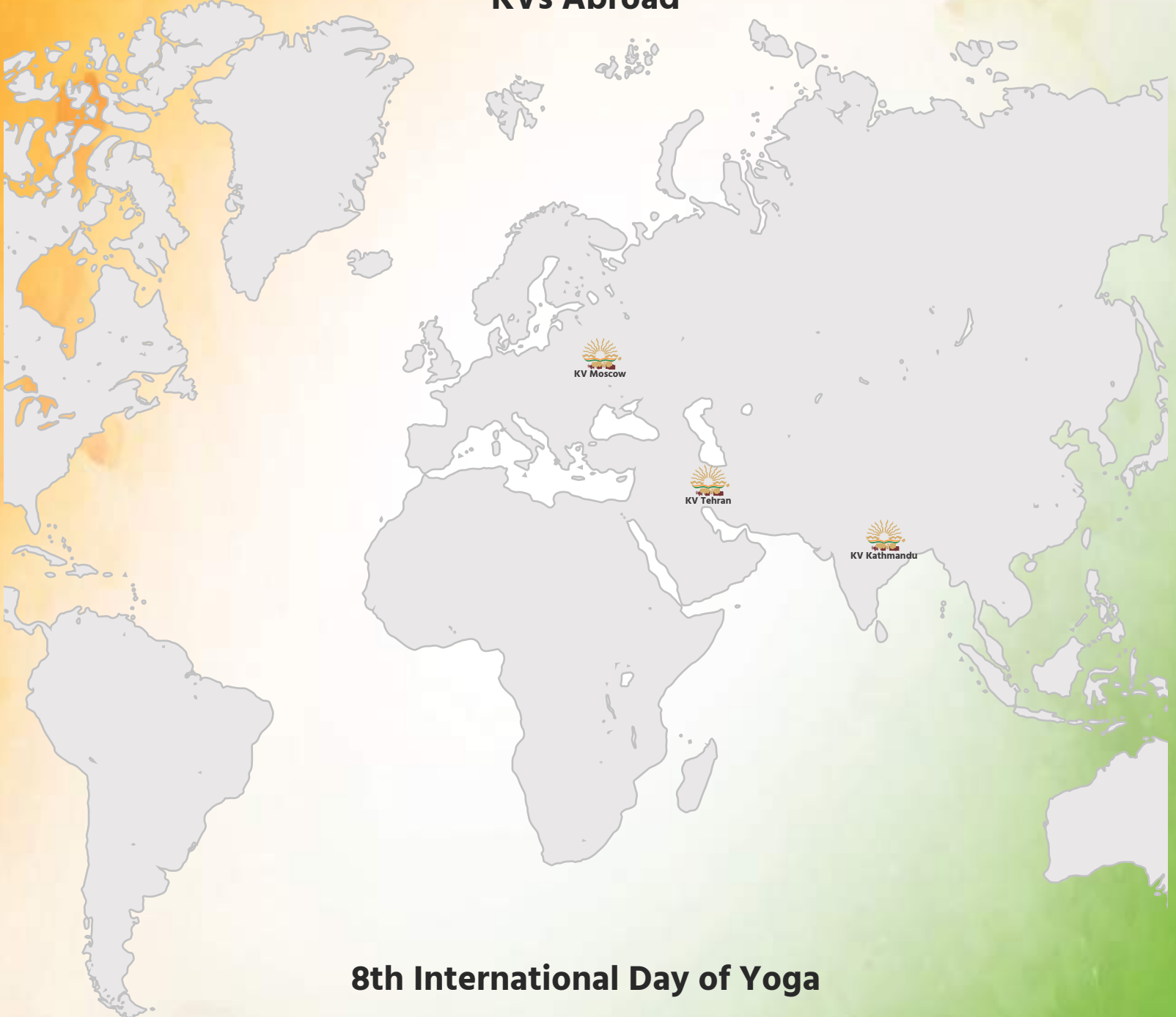


## **KVS Chandigarh Region organized Yoga Display at Jallianwala Bagh, Qila Mubarak and Sheeshmahal**

On the occasion of 8th International Day of Yoga, mass demonstration of Yoga by parents, Teachers and Students was performed in Vidyalayas and separately on the three Iconic places at Jallianwala Bagh, Qila Mubarak (Bathinda Fort) and Sheeshmahal Patiala premises. The session was initiated by seeking the blessings of the Almighty by chanting the Gayatri Mantra and Om Mantra. It was set in motion with some basics of pranayama including Sukhasana, Deep breathing and trailed by a series of asans to calm one's body and mind pranayama exercises namely Bhastrika, Anulom Vilom, Sheetkari, and Bhramari (humming bee breath) were also performed which diminishes stress, anxiety and escalates patience, focus was performed for the welfare of the students. Parents and students came forward and expressed their gratitude to school for organizing such great sessions.



विदेश स्थित केन्द्रीय विद्यालय  
KVs Abroad



8th International Day of Yoga

21 June 2022



## विदेश स्थित तीन केन्द्रीय विद्यालयों में योग दिवस

विदेश में स्थित तीन केन्द्रीय विद्यालयों में भी 8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। केन्द्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने विदेशी धरती से भी मानवता का संदेश दिया। केन्द्रीय विद्यालय मॉस्को, तेहरान और काठमाण्डु में आयोजित योग दिवस कार्यक्रमों की कुछ झलकियां इन चित्रों में प्रदर्शित हैं।

### केन्द्रीय विद्यालय मॉस्को में योग



### केन्द्रीय विद्यालय तेहरान में योग



## केन्द्रीय विद्यालय काठमाण्डु में योग





## Yoga for Humanity

के.वि.सं. मुख्यालय  
KVS HQ



**8th International Day of Yoga**  
**21 June 2022**

## के.वि.सं. आयुक्त ने किया विद्यार्थियों के साथ योग

केन्द्रीय विद्यालय संगठन की आयुक्त श्रीमती निधि पाण्डे एवं मुख्यालय के समस्त वरीय अधिकारियों ने केन्द्रीय विद्यालय सेक्टर 2 आर.के. पुरम पहुंचकर विद्यार्थियों के साथ 8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने योग का कलात्मक प्रदर्शन करते हुए अत्यंत रोचक प्रस्तुति दी। सभी वरीय अधिकारियों ने विद्यार्थियों के साथ सामूहिक योगाभ्यास किया। के.वि.सं. आयुक्त श्रीमती निधि पाण्डे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जीवन में योग का महत्व समझाया और इसे अपने जीवन का नियमित हिस्सा बनाने पर बल दिया। आयुक्त महोदया ने इस बात पर हर्ष व्यक्त किया कि सभी केन्द्रीय विद्यालयों में योग अब शिक्षा का नियमित हिस्सा बन गया है। समारोह के उपरांत आयुक्त महोदया द्वारा पौधरोपण भी किया गया। कार्यक्रम में संयुक्त आयुक्त (प्रशिक्षण) श्री एन.आर. मुरली, संयुक्त आयुक्त (प्रशासन) श्रीमती अजीता लोंगम, उपायुक्त (शै) श्री बी.के. बेहेरा, उपायुक्त (प्रशा) श्रीमती नीलम, दिल्ली संभाग के उपायुक्त श्री नागेन्द्र गोयल सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। समारोह के सफल आयोजन में प्राचार्य श्री अवधेश दुबे और विद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई।





तत् त्वं पूषन् अपावृणु  
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

## केन्द्रीय विद्यालय संगठन

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

18, Institutional Area, Shaheed Jeet Singh Marg, New Delhi-110016  
[www.kvsangathan.nic.in](http://www.kvsangathan.nic.in)

---

[f](#)@KVSHQ [t](#)@KVS\_HQ [i](#)@kvshqr